www.sutrakarsamachar.com

सब्सक्राइब करें

वर्ष : 60, अंक : 165
रांची, मंगलवार
18 जून 2024
पेज -08, मूल्य : 3 रुपया
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत, 2081

सच का पैरोकार

सूत्रकार

DL No.30/2022 रांची व कोलकाता से प्रकाशित

इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराया बेलिंगहैम ने दागा शानदार गोल

दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस से भिड़ी मालगाड़ी, 15 की मौत

दार्जिलिंग, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस सोमवार को सुबह न्यू जलपाईगुड़ी के पास हादसे का शिकार हो गई। उसे एक मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। यह हादसा इतना भयानक था कि मालगाड़ी से टक्कर होने के बाद ट्रेनों की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं। जबकि कई बोगियां हवा में लहरा गईं। वहीं 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं।

सुबह-सुबह खराब था सिग्नल सिस्टम

रेलवे सूत्रों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और पश्चिम बंगाल के छत्तर हाट जंक्शन के बीच सुबह साढ़े पांच बजे से ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब पड़ा था।सूत्रों ने बताया कि ट्रेन नंबर 13174 (सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस) रंगापानी स्टेशन से सुबह आठ बजकर 27 मिनट पर रवाना हुई थी और सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब होने के चलते रानीपतरा रेलवे स्टेशन तथा छत्तर हाट के बीच रुकी रही।

वहीं, एक अन्य रेलवे अधिकारी ने बताया कि जब ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम फेल हो जाता है, तो स्टेशन मास्टर टीए 912 नामक एक लिखित प्राधिकरण जारी करता है, जो चालक को खराबी के कारण सेक्शन में सभी लाल सिग्नलों को पार करने का अधिकार देता है।

उन्होंने कहा कि रानीपतरा के स्टेशन मास्टर ने ट्रेन संख्या 1374 (सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस) के लिए टीए 912 जारी किया था।अधिकारी ने आगे कहा कि उसी समय एक मालगाड़ी जीएफसीजे सुबह आठ बजकर 42 मिनट पर रंगापानी से रवाना हुई और 13174 के पिछले हिस्से से टकरा गई। इससे गार्ड का डिब्बा, दो पार्सल डिब्बे और एक सामान्य सीटिंग डिब्बा पटरी से उतर गया।

चालक ने सिग्नल की अनदेखी की

रेलवे बोर्ड ने अपने शुरूआती बयान में कहा था कि मालगाड़ी के चालक ने सिग्नल की अनदेखी की थी। इस हादसे में मरने वालों की कुल संख्या आठ बताई जा रही है। हालांकि कुछ स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि यह संख्या 15 तक हो सकती है।

यह है नियम

सूत्रों ने कहा कि जांच से ही पता चल सकेगा कि क्या मालगाड़ी को खराब सिग्नलों को तेज गति से पार करने के लिए टीए 912 दिया गया था या फिर यह लोको पायलट था, जिसने खराब सिग्नल के नियम का उल्लंघन किया था। अगर बाद वाला मामला है तो चालक को हर खराब सिग्नल पर एक मिनट के लिए ट्रेन रोकनी थी और 10 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ना था।

लोको पायलट के संगठन ने रेलवे के इस बयान पर सवाल उठाया है कि ड्राइवर ने लाल सिग्नल का उल्लंघन किया। भारतीय रेलवे लोको रनिंगमैन संगठन (आईआरएलआरओ) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी ने कहा, 'लोको पायलट को हादसे का जिम्मेदार मानना बेहद आपत्तिजनक है। हादसे में उनकी भी जान गई है। वहीं सीआरएस जांच लंबित है।'

रेलवे बोर्ड ने किया चौंकाने वाला खुलासा

रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ जया वर्मा सिन्हा ने बताया कि बचाव अभियान पूरा हो गया है। ट्रेन चला रहे चालक (लोको पायलट) ने सिग्नल की अनेदखी की थी, जिसकी वजह से हादसा हुआ। हालांकि, हादसे में उसकी भी मौत हो गई। वहीं, कंचनजंगा एक्सप्रेस के गार्ड ने भी अपनी जान गंवा दी है। उन्होंने रहा कि अगरतला-सियालदह मार्ग के सभी रेलवे स्टेशनों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं।

हवा में लटक रहा है कंचनजंगा का डिब्बा

अभी भी कंचनजंगा का एक डब्बा हवा में लटका हुआ है। सूत्रों के मुताबिक चालक, सहचालक, कंचनजंगा गार्ड समेत कईयों की मौत हो गई है।

यात्रियों के लिए अतिरिक्त बस सेवाएं

कंचनजंगा एक्सप्रेस के फंसे यात्रियों को निकालने के लिए उत्तर बंगाल राष्ट्रीय परिवहन निगम द्वारा बस सेवाओं की व्यवस्था की गई है। उत्तर बंगाल राष्ट्रीय परिवहन निगम के अध्यक्ष पार्थप्रतिम रॉय ने कहा कि 10 बसें दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं। उन्होंने कहा कि सिलीगुड़ी-कोलकाता अतिरिक्त बस सेवा सिलीगुड़ी तेनजिंग नोर्गे बस टर्मिनल से चालू हो जाएंगी।

सेवा सामान्य बनाए रखने का प्रयास जारी

पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर बंगाल में ट्रेनों की आवाजाही सामान्य है। मालदा डिविजन में फंसी ट्रेनें रवाना हो गई हैं। जिस लाइन पर हादसा हुआ है, उसके पास वाली लाइन से सेवा बहाल की जाएगी। सिंगल लाइन पर ट्रेनों का आवागमन होगा।

रेलवे की ओर से जारी की गयी आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर

- केआईआर आपातकालीन सहायता डेस्क नंबर- 6287801805
- वाणिज्यिक नियंत्रण- 9002041952, 9771441956
- एनजेपी स्टेशन आपातकालीन नंबर- 6287801758
- (एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन) एआरटी/न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी)- 9434085300/ 9434085301/ 6287801742 एआरएमई/एनजेपी- 6287801756/ 9934807885/ 9608815719
- अलुआबारी रोड जंक्शन (एयूबी) आपातकालीन नंबर- 8170034235
- किशनगंज (केएनई) आपातकालीन नंबर- 7542028020 और 06456-226795
- दालखोला (डीएलके) आपातकालीन नंबर- 8170034228
- बारसोई (बीओई) आपातकालीन नंबर- 7541806358
- एसएएमएसआई आपातकालीन नंबर- 03513-265690/ 03513- 265692
- (एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन)एआई आरटी/केआई आर नंबर- 9473198029/9473198026
- रंगिया डिवीजन हेल्प डेस्क नंबर- रंगिया जंक्शन स्टेशन: 9101095573
- बोंगाईगांव स्टेशन: 9435021417/9287998179 और बारपेटा रोड स्टेशन: 9287998173
- गुवाहाटी हेल्प डेस्क नंबर-गुवाहाटी स्टेशन: 03612731621/03612731622/03612731623
- एआरएमई/केआईआर 9473198307/ 9473198308/ 9473198309/ 9473198310/ 6287801752/ 6287801753/6287801754/ 6287801755

घटनास्थल पर पहुंचे रेल मंत्री, घायलों से की मुलाकात, बढ़ाई मुआवजे की राशि

दार्जिलिंग, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार को सुबह एक मालगाड़ी के टकरा जाने से, सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस के पीछे के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 15 यात्रियों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए। रेल मंत्री दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं यह स्थान दार्जिलिंग जिले के रंगापानी स्टेशन के पास है। यहां पहुंचने के बाद रेल मंत्री संबंधित अधिकारियों से घटना संबंधित जानकारी ले रहे हैं। आपको बता दें कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बाइक से रेल हादसे की साईट पर पहुंच रहे हैं। दरअसल, जिस जगह हादसा हुआ है, वहां वाहन से जाने का रास्ता कच्चा है और गाड़ी से जाने में काफी समय लगता इसलिए मंत्री वैष्णव ने बाइक से जाने का फैसला किया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे के पीड़ितों के लिए घोषित राहत राशि बढ़ा दी है। हादसे में कम से कम 15 लोगों की जान चली गई और 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए। उन्होंने पर पोस्ट किया, पीड़ितों को अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी, मृत्यु के मामले में 10 लाख, गंभीर चोटों के लिए 2.5 लाख और मामूली चोटों के लिए 50,000 देने का आदेश दिया।

एक सोशल मीडिया अपडेट में, वैष्णव ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

वैष्णव ने एक्स पर लिखा, एनएफआर क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना। बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ निकट समन्वय में काम कर रहे हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। किसी भी हताहत की बात करें तो पुलिस ने कम से कम सात लोगों की मौत की पुष्टि की है।

यह मुआवजा पीएम मोदी द्वारा पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा के बाद आया है। इससे पहले पीएमओ ने पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार सुबह सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस के तीन पीछे के डिब्बे एक मालगाड़ी से टकरा जाने के कारण पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 15 यात्रियों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि राज्य और केंद्र की कई एजेंसियां स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उन यात्रियों को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही हैं, जो अभी भी अंदर फंसे हो सकते हैं।

चाईबासा में मुठभेड़ : जोनल कमांडर समेत पांच नक्सली ढेर, दो गिरफ्तार

हथियारों का जखीरा बरामद

चाईबासा, सूत्रकार

झारखंड के अति नक्सल प्रभावित चाईबासा में पुलिस और भाकपा माओवादी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ समाप्ति के बाद चले सर्च ऑपरेशन में सुरक्षाबल के जवानों ने 2 महिला नक्सली सहित कुल 5 नक्सलियों का शव बरामद किया। वहीं एरिया कमांडर टाईगर सहित 2 नक्सली गिरफ्तार किए गये हैं। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी बरामद किया गया है। चाईबासा पुलिस, झारखंड जगुआर, झारखंड पुलिस के कोबरा बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। इसे झारखंड में नक्सलरोधी अभियान में पुलिस की बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मारे गये नक्सलियों में एक छत्तीसगढ़ के सुकमा का भी रहने वाला है। बाकी नक्सली झारखंड के ही सिंहभूम जिले के रहने वाले हैं। पुलिस गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ में जुटी है। गौरतलब है कि झारखंड में बीते काफी समय से ऑपरेशन ऑक्टोपस संचालित है।

मुठभेड़ में मारे गये नक्सली : मारे गये नक्सलियों की पहचान जोनल कमांडर कांडे होनहागा उर्फ गोविंद नागदुवार उर्फ दिरीसुम, सबजोनल कमेटी सदस्य सिंगराय उर्फ मनोज कुंजाम, दस्ता सदस्य जोगा, दस्ता सदस्य सूर्या उर्फ मनता देवगम, दस्ता सदस्य सपनी हांसदा के रूप में की गई है। मुठभेड़ के दौरान जवानों ने एरिया कमांडर टाईगर उर्फ पांडु हांसदा और दस्ता सदस्य बतारी बानरा को गिरफ्तार किया है।

यहां हुई मुठभेड़ : पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि भाकपा (माओवादी) संगठन के शीर्ष नेता मिहिर बेसरा, अनमोल, गोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया और अश्विन अपने-अपने दस्ते के साथ कोल्हान के जंगलों में घूम रहे हैं। पुख्ता जानकारी के आधार पर चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बीएन, 203 बीएन. 205 बीएन, झारखंड जगुआर एवं सीआरपीएफ 60 बीएन, 197 बीएन, 157 बीएन, 174 बीएन, 193 बीएन. 134 बीएन. 26 बीएन, 190 बीएन, 11 बीएन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल लगातार सर्च ऑपेशन चला रहा था। पुलिस ने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान ही सोमवार सुबह तकरीबन साढ़े 5 बजे चाईबासा के गुवा थानाक्षेत्र अंतर्गत लिपुंगा और कुलासाई के जंगली इलाकों में नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

जवानों ने भी मोर्चा संभालकर जवाबी फायरिंग की। फायरिंग थमी तो सर्च ऑपरेशन में 4 माओवादियों का शव बरामद किया गया। बाद में एक अन्य महिला नक्सली का शव भी मिला।

मुठभेड़ स्थल से हथियारों का जखीरा मिला : पुलिस ने घटनास्थल से 2 एसएलआर राइफल, 1 इंसास राइफल, 303 राइफल, 2 बोल्ट एक्शन राइफल, 9 एमएम की 1 पिस्टल, 13 पीस डेटोनेटर और 7 पीस डेटोनेटर बरामद किया है। इसके अलावा 15-18 लोगों के ठहरने के लिए तंबू वगैरह भी बरामद किया है। नक्सलियों के पास से जीवनरक्षक दवाइयों सहित अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है।

शिवराज सिंह चौहान झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी नियुक्त

हिमंत विश्व सरमा सह-प्रभारी बनाए गए

रांची, सूत्रकार

झारखंड विधासनभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कमर कस ली है। सोमवार (17 जून) को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को झारखंड का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ भाजपा के फायरब्रांड नेता और असम के सीएम हिमंतत विश्व सरमा को सह-प्रभारी बनाया गया है।

भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर दी जानकारी : भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने यह जानकारी दी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने संगठनात्मक नियुक्ति से संबंधित एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने आगमी विधानसभा चुनावों के लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है।

2024 में झारखंड समेत 4 राज्यों में होंगे विधानसभा चुनाव : भाजपा ने झारखंड के साथ महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के लिए भी चुनाव प्रभारियों की घोषणा की है। भूपेंद्र यादव को महाराष्ट्र का प्रदेश चुनाव प्रभारी बनाया गया है, जबकि अश्विनी वैष्णव को प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी बनाया गया है। दोनों केंद्रीय

मंत्री हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए धर्मेंद्र प्रधान को प्रभारी नियुक्त किया गया है और पूर्व मंत्री सह सांसद बिप्लव कुमार देब को सह-प्रभारी बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को जम्मू एवं कश्मीर का प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

नवंबर-दिसंबर में झारखंड में विधानसभा चुनाव संभव : झारखंड विधानसभा का चुनाव इस साल के अंत में नवंबर-दिसंबर में होने की संभावना है। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को झारखंड में बड़ा नुकसान हुआ था। इसलिए पार्टी ने विधानसभा चुनाव की तैयारी पहले से तेज कर दी है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को सिर्फ 8 सीटों पर जीत मिली, जबकि वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में उसने 11-11 सीटों पर जीत दर्ज की थी। आदिवासी बहुल किसी भी सीट पर भाजपा को इस बार जीत नहीं मिली।

वायनाड छोड़ेंगे राहुल गांधी, रायबरेली से बने रहेंगे सांसद, प्रियंका गांधी लड़ेंगी उपचुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बताया कि राहुल गांधी वायनाड से इस्तीफा देंगे। रायबरेली से सांसद बने रहेंगे। उन्होंने बताया कि वायनाड से प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़ेंगी। खरगे ने प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी का ऐलान करते हुए कहा कि लड़की हैं लड़ सकती हैं। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वायनाड से मुझे बहुत प्यार मिला है। उन्होंने रायबरेली और वायनाड का विशेष तौर पर धन्यवाद किया। राहुल ने कहा कि समय-समय पर वायनाड जाता रहूंगा। रायबरेली से पुराना रिश्ता है। दोंनो जगह इमोशनल कनेक्शन है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, राहुल गांधी दो लोकसभा सीटों से जीते हैं, लेकिन कानून के अनुसार उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे और हमने फैसला किया है कि प्रियंका जी वायनाड से चुनाव लड़ेंगी। चर्चा के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाद्रा भी उपस्थित थीं। वहीं, इस फैसले के बाद प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों को राहुल की कमी महसूस नहीं होने देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, मैं वायनाड को राहुल की कमी महसूस नहीं होने दूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी, वायनाड में सभी को खुश करने की पूरी कोशिश करूंगी, एक अच्छी प्रतिनिधि बनूंगी।

बता दें कि राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में दो जगहों से चुनाव लड़ा। राहुल गांधी पहली बार 2019 में वायनाड से चुनाव लड़े और संसद पहुंचे। 2024 के लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी के चुनाव लड़ने के बाद राहुल गांधी ने रायबरेली से पर्चा दाखिल किया और 390030 लाख मतो से जीते।

लोकसभा स्पीकर पद अपने पास रखेगी भाजपा

सहयोगियों को मिल सकता है डिप्टी स्पीकर का पद

नई दिल्ली, एजेंसी

तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद बाद बीजेपी ने साफ कर दिया है कि लोकसभा में स्पीकर बीजेपी का ही होगा। एनडीए के सहयोगियों को डिप्टी स्पीकर का पद मिल सकता है। बीजेपी ने साफ कर दिया है इस मामले में वो समझौता नहीं करेगी। वहीं, बीजेपी ने अपने वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को विपक्ष समेत सभी दलों से बात कर आम सहमति बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है।गौरतलब है कि चुनाव के नतीजों में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। एनडीए की सरकार बनी है। लेकिन किंगमेकर जेडीयू और टीडीपी में लोकसभा

अध्यक्ष पद को लेकर तकरार है।

लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए जारी खिंचतान के बीच रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एनडीए की अहम बैठक हुई थी। बैठक में लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक में बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू, अश्विनी वैष्णव, ललन सिंह, चिराग पासवान समेत कई और नेता शामिल हुए थे।

26 जून को होगा लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव : 18वीं लोकसभा चुनाव में एनडीए ने जीत हासिल की है। लेकिन लोकसभा के अध्यक्ष पद को लेकर एनडीए में पेंच फंस रहा है। एनडीए की सहयोगी टीडीपी और जेडीयू भी स्पीकर पद चाह रही है। वहीं, लोकसभा में 26 जून को नये अध्यक्ष का चुनाव होगा। सदन के सदस्य उम्मीदवारों के समर्थन में प्रस्ताव के लिए एक दिन पहले दोपहर 12 बजे तक नोटिस दे सकते हैं। गौरतलब है कि 17वीं लोकसभा में ओम बिरला को लोकसभा का अध्यक्ष बनाया गया था।

अठारहवीं लोकसभा की पहली बैठक 24 जून को : अठारहवीं लोकसभा की पहली बैठक 24 जून को होगी और सत्र तीन जुलाई को समाप्त होगा। लोकसभा की ओर से जारी एक बुलेटिन में कहा गया है कि अध्यक्ष के चुनाव के लिए तय तिथि से एक दिन पहले दोपहर 12 बजे से पहले कोई भी सदस्य अध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य सदस्य के समर्थन में प्रस्ताव के लिए महासचिव को लिखित रूप से नोटिस दे सकता है। इसमें बताया गया है, मौजूदा मामले में अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रस्ताव के वास्ते नोटिस मंगलवार, 25 जून दोपहर 12 बजे से पहले दिए जा सकते हैं।

27 जून को होगा राष्ट्रपति का संबोधन : लोकसभा सत्र के पहले दो दिन नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण होगा। इसके बाद 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी।

न्यूज फ्लैश

हरिना मेला पहुंचे सांसद, बाबा मुकतेश्वर नाथ की पूजा की

पोटका, सूत्रकार

पूर्वी सिंहभूम जिला के प्रसिद्ध मुक्तेश्वरधाम हरिणा मेला के तीसरे दिन सोमवार को भी भक्तों की भीड़ उमड़ी। सोमवार को जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार सांसद बने विद्युतवरण महतो पत्नी उषा महतो के साथ हरिणा मेला पहुंचे। उन्होंने भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख, समृद्धि की कामना किया। उन्होंने मुक्तेश्वरधाम समिति से भेंट कर मेला के स्थिति की जानकारी ली। सोमवार को भी हरिणा मेला में आसपास गांव के सैकड़ों भक्तों पहुंचे एवं मेला का आनंद लिया। हरिणा मेला में भाजपा नेता गणेश माहुली भी शामिल हुए। इस अवसर पर विधाधर साहु, ब्रजांकण दंडपाट, यशवंत महतो,चितरंजन सीट, राहुल महतो, श्यामल महाकुड़ सहित अन्य उपस्थित थे।

पोटका में धूमधाम से मना बकरीद

पोटका, सूत्रकार

पोटका प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर ऑल इंडिया पयामे इंसानियते फोर्म हल्दीपोखर शाखा द्वारा भूमि उप समाहर्ता पदाधिकारी गौतम कुमार, बीडीओ अभय कुमार द्विवेदी, पशुपालन पदाधिकारी डा.अशोक कुमार, थाना प्रभारी धनंजय पासवान, पूर्व मुखिया सैयद जबीउल्लाह सहित गणमान्य लोगों का स्वागत किया एवं लगे मिलकर पर्व की शुभकामनाएं दी। मौके पर मौलाना जाहिद नदवी ने कहा कि बकरीद पर्व बलिदान और त्याग का पर्व है। पूरी दुनिया जानती है कि अपने वक़्त के बहुत बड़े एशदुत हजरत इबराहीम अलैहिस-सलाम ने अल्लाह के हुक्म पर अपने बेटे हजरत इस्माईल अलैहिस-सलाम को कुर्बान कर दिया था। ऑल इंडिया पयाम इन्सानियत फोर्म का भी यही संदेश है कि हम भारतवासी आपस में मिल-जुल कर रहें, एक दूसरे की खुशी और गम में शरीक हों। इसी मिल्लत से एक सभ्य समाज होने का सबूत दिया जा सकता है। इसी अमन पसंद रास्ते से हमारा देश हर प्रकार से तरक़्क़ी की ओर बढ़ता चला जाये। इस अवसर पर हाजी असगर अंसारी, आफताब अंसारी, उप मुखिया शाहिद परवेज ,साबिर, एहसान ,कलीम , रैहान सहित अन्य उपस्थित थे।

मादक पदार्थों के विरुद्ध घाटशिला कॉलेज में 18 से 26 जून तक चलेगा जागरूकता अभियान

घाटशिला, सूत्रकार

मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध घाटशिला कॉलेज में 18 से 26 जून तक आठ दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है। इसको लेकर प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने आठ दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों का रूपरेखा तैयार कर अधिसूचित भी कर दिया है। प्राचार्य ने बताया कि नशा समाज और देश के लिए घातक है। इस अभियान के माध्यम से मादक द्रव्य व्यसन के प्रति युवा पीढ़ी को जागरूक करना मुख्य उद्देश्य है।

प्राचार्य डॉ चौधरी ने बताया कि पश्चिमी संस्कृति वाले देशों का अनुकरण करते हुए आज भारतीय युवा पीढ़ी में बढ़ती मादक पदार्थों का सेवन एक गंभीर समस्या का रूप धारण करती जा रही है। युवा वर्ग गांजा, चरस, हीरोइन, कोकिन, अफीम, अल्कोहल आदि मादक पदार्थ का सेवन करने लगे हैं। इस-ाका गंभीर दुष्परिणाम उन्हें भुगतना पड़ता है। ऐसी नशीली पदार्थों के प्रति युवा पीढ़ी के भटकाव को रोकने हेतु घाटशिला महाविद्यालय में 18 जून से 26 जून तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि इस विशेष कार्यक्रम के संयोजन का दायित्व एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट महेश्वर प्रमाणिक तथा एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो इंदल पासवान व प्रो अर्चना सुरीन को दिया गया है।

ग्रामीण भाजपा किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल सांसद ढुल्लू से मिल सौंपा मांगपत्र

कतरास, सूत्रकार

भाजपा किसान मोर्चा ग्रामीण का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सांसद ढुल्लू महतो से उनके चिटाही स्थित आवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि का लाभ धनबाद के कृषकों को दिलाने से संबंधित मांग पत्र सौंपा। जिलाध्यक्ष राजेश चौधरी ने कहा कि धनबाद अंचल कार्यालय के द्वारा हजारों किसानों का भूमि बीजारोपण (लैंड सीडिंग) नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते किसानों के खाते में राशि नहीं आ पा रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कृतसंकल्प हैं। इसी उद्देश्य से कृषि कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा किसानों को सीधे खाते में सलाना राशि 6000 रुपए निर्गत कर रही है। प्रधानमंत्री 18 जून को वाराणसी से किसानों को 17वीं किस्त जारी करेंगे। ऐसे में धनबाद के किसानों की राशि वापस हो जाने से प्रधानमंत्री का किसानों की आय बढ़ाने के संकल्प में झारखंड सरकार व्यवधान उत्पन्न कर रही है। प्रतिनिधिमंडल ने भूमि बीजारोपण/इकेवाइसी की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की दिशा में पहल करने का आग्रह करते हुए कहा कि ताकि किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ सुलभ तरीके से प्राप्त हो सके। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष के अलावा मोर्चा के जिला प्रभारी सुरेश महतो, महामंत्री द्वय शंकर महतो व सरोज महतो, राजेश सिंह,बलदेव महतो,चंद्र मोहन राय,विजय चौधरी,उदय शंकर आदि थे।

झरिया के धनुडीह में आउटसोर्सिंग कंपनी की दबंगई

हैवी ब्लास्टिंग का विरोध कर रहे ग्रामीणों पर बरसाई लाठी और गोलियां

आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग पर झरिया विधायक पूर्णिमा बीच सड़क धरने पर बैठी

धनबाद/झरिया, सूत्रकार

झरिया कोयलांचल में सोमवार को एक बार फिर कोयला खनन में लगी आउटसोर्सिंग कंपनी की दबंगई देखने को मिला। कंपनी प्रबंधन पर आरोप है कि हेवी ब्लास्टिंग का विरोध कर रहे ग्रामीणों को प्रबंधन और उनके गुर्गों द्वारा लाठी डंडे से पीटा गया और उन पर गोलियां भी चलाई गई। इस घटना में जागो भुइयां,सोनी देवी, पिंटू भुइयां सहित दर्जनो लोग चोटिल हुए हैं वहीं जागो भुइयां और एक महिला का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने घनुडीह के मोहरिबाँध के समीप झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इसी बीच घटना की खबर पाकर झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह भी मौके पर पहुंची और घटना को अंजाम देने वाले दबंग लोगों की गिरफ्तारी और तत्काल आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्य बंद करने की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों के साथ बीच सड़क पर धरने पर बैठ गयी। लगभग चार घन्टे तक धरने में बैठी विधायक को डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर और सिंदरी डीएसपी द्वारा कार्रवाई किए जाने और जब तक कारवाई नहीं होती तब तक आउटसोर्सिंग का कार्य बंद रखने के आश्वासन के बाद शाम करीब 7 बजे धरना और सड़क जाम समाप्त हुआ।

यह है पूरा मामला : घटना के संबन्ध में बताया जाता है की बीसीसीएल लोदना एरिया के कुजामा क्षेत्र में खनन में लगी आउटसोर्सिंग कंपनी एटी देवप्रभा द्वारा सोमवार की दोपहर हैवी ब्लास्टिंग किया गया। ब्लास्टिंग से बड़े बड़े पत्थर परियोजना से सटे लोगों के घरों में गिरने लगे जिसकी शिकायत लेकर स्थानीय लोग आउटसोर्सिंग प्रबन्धंक के पास पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि लोगों को देखते ही आउटसोर्सिंग प्रबन्धन के गुर्गे उनपर टूट पड़े और लाठी डंडे से हमला कर दिया। इसी बीच आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधन के सामने ग्रामीणों पर आधा दर्जन राउंड फायरिंग भी की गई जिससे भगदड़ मच गयी लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे। आउटसोर्सिंग कंपनी के गुर्गों द्वारा किये गए हमले और इसके बाद मची भगदड़ में एक दर्जन से ज्यादा महिला व पुरुष घायल हो गए हैं। जिन्हें ज्यादा चोट आई है उन्हें एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीण इसकी शिकायत लेकर घनुडीह ओपी पहुंचे। इसके बाद सभी झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग पर आगजनी कर पूरी तरह जाम कर दिया और आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन और उनके गुर्गों की गिरफ्तारी करने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का आरोप था कि हमेशा परियोजना में हेवी ब्लास्टिंग की जाती है जब जब शिकायत लेकर प्रबंधन के पास जाते है तब तब उनके साथ बदसलुकी की जाती है। आज तो आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने हद पार कर दिया। अब तो शोषण के खिलाफ आवाज उठाना भी भारी पड़ रहा है।

जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती तब तक आउटसोर्सिंग का काम बंद रहेगा : ढुल्लू

घटना की सूचना पाकर सांसद ढुल्लू महतो भी घनुडीह पहुंचे और पीड़ितों से मिल पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान सांसद ने स्थानीय पुलिस व ग्रामीणों से भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा की जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक आउटसोर्सिंग कंपनी का कार्य शुरू नहीं होने देंगे।

राजनीति उदण्डता की देन है घटना, उन्हें नहीं पता कि सामने मैं खड़ी हूं : पूर्णिमा

पूर्णिमा नीरज सिंह ने कहा कि राजनीति उदण्डता की देन है यह घटना। विपक्ष का इस इलाके में कुछ भी नहीं है इसलिए ऐसी घटना को अंजाम दिलाया गया है और यह आगामी विधानसभा चुनाव तक यही करेंगे क्योंकि इन्हें कुछ काम करना नहीं आता है ये लोग सिर्फ नफरत की राजनीति करते है और यही आगे भी करते रहेंगे। पूर्णिमा ने बिना नाम लिए रागिनी सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि आउटसोर्सिंग प्रबंधन भाजपा और बीसीसीएल का दलाल है। कहा कि पिछले चार वर्षों से इनकी हिम्मत नहीं हुई थी कुछ करने की पर आगामी चुनाव को देखते हुए फिर से हमलोगों को डिस्टर्ब करना शुरू किया है लेकिन शायद उसे यह नहीं पता कि उसके सामने मैं खड़ी हूं।

रागिनी ने बीसीसीएल प्रबंधन पर फोड़ा ठीकरा

एसएनएमएमसीएच में घायलों से मिलने झरिया की भाजपा नेत्री रागिनी सिंह पहुंची और घटना की जानकारी के साथ घायलों का हाल जाना। इसके बाद वे पत्रकारों से भी मुखातिब हुई। रागिनी ने कुजामा में घटना के लिए मुख्य रूप से बीसीसीएल प्रबन्धन को जिम्मेवार ठहराते हुए कहा कि अगर बीसीसीएल प्रबन्धन इन्हें उचित मुआवजा देकर अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर बसा देती तो यह घटना नहीं घटती। उन्होंने कहा कि झरिया में आउटसोर्सिंग कंपनी के लोग गरीब दलित की आवाज दबाना चाह रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि हमलोग हमेशा से गरीब मजदूरों के साथ खड़े हैं और आगे भी रहेंगे। वहीं रागिनी के बयान के दौरान उनके मुख्य निशाने पर बिसीसीएल प्रबंधन ही रहा है। वो कहती रही कि अगर बिसीसीएल प्रबंधन लोगों को वहां से अन्यत्र बसा देती तो घटना ही नहीं होती। उन्होंने घटना के बारे में सिर्फ इतना ही कहा कि ये गलत है।

एटी देव प्रभा प्रबंधन का विवादों से रहा है पुराना नाता

आउटसोर्सिंग कंपनी एटी देवप्रभा प्रबन्धन का इस प्रकार के विवादों से गहरा और पुराना नाता रहा है। इससे पहले भी प्रबंधन और उस-ाके गुर्गों पर कई बार ग्रामीणों पर गोली चलाने के आरोप लग चुके हैं। तीसरा थाना क्षेत्र में एक डीजल चोर को कुंभनाथ सिंह द्वारा गोली मारने के आरोप लगे थे। इसके अलावा वर्ष 2019 के अप्रैल महीने में भौंरा में प्रदूषण से त्रस्त लोग जब पानी छिड़काव की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे तब भी उनपर गोलियां बरसाई गयी थी। इसका भी आरोप एलबी सिंह और कुंभनाथ सिंह पर ही लगा था इस मामले में दोनों को जेल तक कि हवा खानी पड़ी थी। इसके अलावे अलग अलग स्थानों पर एटी देव प्रभा कंपनी द्वारा किये जा रहे खनन कार्य के दैरान कोयला उठाव के नाम पर भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रंगदारी मांगे जाने के आरोप लगते रहे हैं।

तो क्या ढुल्लू की चेतवानी का झरिया क्षेत्र की आउटसोर्सिंग पर नहीं होगा असर

घटना के एक दिन पहले गुरुवार को झरिया के जेलगोड़ा गेस्ट हाउस में हाड़ी समाज द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर धनबाद लोकसभा के नव निर्वाचित सांसद ढुल्लू महतो का अभिनंदन और स्वागत किया गया था। इस दौरान समारोह को संबोधित करते हुए खुले मंच से सांसद ढुल्लू महतो ने कोयला खनन कार्य मे लगी आउटसोर्सिंग कंपनियों को चेताया था कि वे अपनी कार्यशैली में बदलाव लाएं और गरीब दलित का शोषण बंद करें अन्यथा गरीब और दलित अपना हिसाब लेने जानता है। ऐसे में सांसद की चेतावनी के ठीक दूसरे ही दिन कुजामा में घटी घटना के बाद से ढुल्लू के इस बयान की चर्चा एकाएक रकजनीतिक गलियारों में खूब होने लगी। चर्चा के दौरान लोग यह कहते दिखे की लगता है झरिया क्षेत्र में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनियों में नए सांसद का कोई जोर नहीं चलेगा।

बीसीसीएल लोदना क्षेत्र बना अपराधियों की शरणस्थली, दे रहे घटना को अंजाम

बरारी कोलियरी में धावा बोल लाखों के कीमती पार्ट्स ले भागे प्रबंधन मौन

जोड़ापोखर, सूत्रकार

बीसीसीएल लोदना एरिया अंतर्गत बंद बरारी कोलियरी अब अपराधियों की शरणस्थली बन गई है। ताबड़तोड़ अपराधी घटना को अंजाम दे रहे है। सुरक्षा कर्मी दहशत में है। वही प्रबंधन और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। अभी एक दिन पूर्व हुए लाखों के स्क्रैप चोरी की घटना की चर्चा शांत नही हुई की रविवार की रात अपराधियों ने भूलन बरारी एजेंट ऑफिस के परिसर में धावा बोलकर लगभग 4 लाख रुपए मूल्य की बेयरिंग चुरा ले भागे। घटना के वक्त मौजूद बीसीसीएल कम्पनी के गार्ड लोबिन रजवार,खलील मियां,डोमना राय को हथियार का भय दिखा कर खदेड़ दिया गया। घटना की सूचना सोमवार को सुबह बरारी कोलियरी प्रबंधक शांतनु शील को दिया गया है। श्री शील ने बताया है की जोड़ापोखर थाना में ऑन लाइन मामला दर्ज कर कर्तब्य का निर्वाह कर दिया गया है। घटना के समय डयूटी में मौजूद तीनों गार्ड ने बताया है की रविवार की रात दर्जन भर चोरो ने धावा बोल हथियार दिखा कर कहा जान बचाना है तो भाग जाओ जिसके बाद वे लोग भाग गए। चोरो के जाने के बाद पहुचे तब

वापस पांच देखा की स्टोर रूम का ताला और बाहर में रखा गया बॉक्स का ताला तोड़कर कर रखा गया सभी कीमती बेयरिंग को चोरो द्वारा चोरा लिया गया है। वही सूचना पाकर सोमवार की सुबह संजुक्त मोर्चा के मनोहर सिंह,अमरजीत यादव सहित मजदूर नेता पहुच कर घटना स्थल का निरक्षण किया और कहा है की बरारी कोलियरी बन्द हो गया है। भूलन बरारी स्टोर में कम्पनी का कीमती लोह सामग्री की चोरी खुद स्थानीय प्रबंधन करवा रहा है। दीवाल की सेंधमारी के बाद चोरी की घटना घटी है, परन्तु अभी तक मरम्मत कार्य पूरा नहीं किया गया है। वही रोपवे स्टोर में कडोडो का लोह सामग्री पड़ा हुआ है, जिसकी सुरक्षा की कोई भी व्यवस्था नहीं किया गया है।मजदूरों को भय सत्ता रहा है की बंद कोलियरी के मजदूरों को प्रबंधन एक साजिश के तहत कहि और भेजने की तैयारी तो चल रही हैं। अगर ऐसा हुआ तो कम्पनी के मजदूर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले ईट से ईंट बजा देगे।

वरीय अधिकारी को सूचना दी जा रही है: प्रबंधक

कोलियरी प्रबंधक शांतुनु शील ने बताया है की लगातार चोरी की घटना की जानकारी लोदना एरिया महाप्रबंधक को दी जा रही हैं, उनका आदेश आने के बाद हर तरह की व्यवस्था की जायेगी। हालांकि उन्होंने कहा है की सोमवार की सेंधमारी स्थल की मरम्मत कार्य को पूरा किया जा चुका है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल कुछ ही घंटों में वार्ता के बाद हुआ समाप्त

कतरास, सूत्रकार

युनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के बैनर तले चार सूत्री मांग को लेकर बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष सोमवार को शुरू हुई अनिश्चितकालीन भुख हड़ताल वार्ता के बाद कुछ ही घंटो मे हुई समाप्त। सोमवार को बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष यूना-इटेड कोल वर्कर्स यूनियन कि चार सूत्री मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू हुई ही थी की महाप्रबंधक बरोरा क्षेत्र पियूष किशोर की ओर से अनुरोध आया की वार्ता किया जाय। इस पर यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के क्षेत्रीय सचिव सहित सभी ने अनुरोध स्वीकार करते वार्ता की। जिसमें जीएम पियूष किशोर ने कहा कि 15 दिनों के अंदर एफ डी में पास करा कर सेल पीकर मजदूरों को हाई पावर कमेटी का वेतन दिया जाएगा एवं सीएमपीएफ का वी वी स्टेटमेंट भी 15 दिन के अंदर देने का आशवाशन दिया। बीसीसीएल रीजनल हॉस्पिटल डूमरा के आकस्मिक सेवा को जल्द-से-जल्द दुरुस्त करने का कार्य संघ के पहले बैठक के बाद कर दिया गया है ।कुछ विशेष उपकरण एवं डॉक्टरों की कमी पूरा करने का प्रस्ताव भी कोयला भवन भेज दिया है अबिलम्ब प्रस्ताव पास करा कर कार्य शुरू कर दिया जाएगा एवं अंतिम मांग डोमन महतो का ऐज असेसमेंट बोर्ड कर दिया गया है ।उस-ाका निर्णय अबिलम्ब आ जायेगा तब उनकी पुन नियुक्ति कर दी जाएगी। वार्ता में मुख्य रूप से जीएम पियूष किशोर,हेमंत कुमार हैना, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक बरोरा क्षेत्र,अलीशा मिंस कार्मिक प्रबंधक, संदीप शर्मा तथा यूनियन के ओर से क्षेत्रीय सचिव संतोष गोराई,क्षेत्रीय अध्यक्ष एन डी पांडेय,शाखा अध्यक्ष जगदीश रवानी,राजीव प्रसाद महतो,अरुण रवानी,संतोष कुमार रवानी,अनिल कुम्हार,राजीव विसियार,रविंद्र राय,धनंजय कुमार,सुरेश रवानी, शंकर पांडेय आदि उपस्थित थे।

अवैध कोयला कारोबार पर चला पुलिस का डंडा, 55 टन कोयले के साथ तीन ट्रक जप्त

महुदा, सूत्रकार

गुप्त सूचना के आधार पर भाटड-ीह ओपी पुलिस ने रविवार की देर रात छापेमारी कर भारी मात्रा में कोयला सहित तीन ट्रकों को जप्त कर थाने ले आयी। मिली जानकारी के अनुसार वरीय पुलिस अधिकारी को गुप्त सूचना मिली कि भाटडीह ओपी के भाटडीह और नागदा में अवैध रूप से कोयले का कारोबार चल रहा है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर भाटडीह ओपी प्रभारी बालमुकुंद सिंह ने पुलिस बल के साथ छापेमारी की और करीब 55 टन कोयला एवं तीन ट्रकों को जप्त किया। थाना प्रभारी बालमुकुंद सिंह ने बताया कि ट्रक मालिकों एवं चालकों के ऊपर मुकदमा किया जा रहा है तथा मामले की जांच की जा रही है जो भी दोषी होंगे उनपर करवाई की जाएगी। बताते चले कि उक्त इलाके में पूर्व में भी ऐसी कार्रवाई की जाती रही है।

बच्चों ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

झरिया, सूत्रकार

ईद उल जुहा के अवसर पर सामाजिक संस्था यूथ कॉन्सेप्ट एवं ग्रीन लाइफ झरिया के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को झरिया कतरास मोड़ में बच्चों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अवाम के सलामति की दुआ की। बच्चों ने झरिया के लोगों से भी एक एक पौधे लगा कर देख भाल करने की अपील की और लगाए गए पौधों में सुरक्षा घेरा भी लगाया गया। मौके पर उपस्थित डॉ समीर ने कहा इस साल सभी को एहसास हुआ है पर्यावरण कितनी जरूरी है, तापमान लगातार बढ़ती जा रही है। बच्चे बूढ़े सभी वर्ग के लोगों को जलती गर्मी से राहत के लिए पेड़ पौधे लगाए।

बच्चों में पर्यावरण संरक्षण का संस्कार विकसित हो: अखलाक

यूथ कॉन्सेप्ट के संयोजक अखलाक अहमद ने कहा कि सभी त्योहार में बच्चों द्वारा पौधा लगाने की परंपरा रखी गई है। ताकि इनमे पर्यावरण संरक्षण का संस्कार विकसित किया जा सके। यह पौधा बड़ा हो कर इस वर्ष के बकरीद की याद को ताजा रखेगा।

अखलाक अहमद ने कहा कि इसी तरह पर्व में जन्मदिन पर या अन्य खुशी के मौके पर पौधे लगाए जाएं तो झरिया को हरा भरा बनाया जा सकता है। ग्रीन लाइफ के संयोजक डॉ मनोज सिंह ने कहा कि आज 17 जून को पूरे विश्व में मरुस्थल एवम्-सुखा निवारण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। झरिया की धरती भी आउटसोर्सिंग के बाद मरुभूमि में तब्दील होगें है ।आइए, एक एक पौधे लगा कर इस धरती को हरियाली के चादर से श्रृंगार करें। इस वर्ष का मिशन 10,000 पौधे के तहत झरिया में हरियाली लाने का प्रयास किया जा रहा है इसमें सभी वर्ग ले लोगों का सहयोग की अपेक्षा है ।मौके पर डॉ एम समीर, डॉ मनोज सिंह, अखलाक अहमद, रूमी खान,रईस खान,मो नसीम,मो महताब,मो ताहा, अबू हुजैफा,माहिरा,अब्दुल हक अर्शी,अहमद आदि उपस्थित थे।

न्यूज फ्लैश

19 वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिपः रांची की सुजाना ने 100 मीटर हर्डल्स में जीता स्वर्ण

रांची, सूत्रकार

19 वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रांची कि सुजाना लकड़ा ने 100 मीटर हर्डल्स में स्वर्ण पदक जीता। वहीं अमित दिन लंबीकूद में संदीप कुमार ने रजत और पार्थ सिंह ने कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में झारखंड के खाते में दो स्वर्ण,एक रजत,दो कांस्य समेत कुल पांच पदक आए। भारतीय एथलेटिक्स संघ एवं छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 15 से 17 जून तक छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 19 वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता के अंतिम दिन रांची की सुजाना लकड़ा ने 100 मीटर हर्डल्स में 14।40 सेकेंड के समय के साथ लिए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। जबकि तमिलनाडु की भावना ने रजत और कर्नाटक की ईसा रंजीत ने कांस्य पदक जीता। वहीं लंबी कूद में रांची साई के संदीप कुमार ने 7।16 मीटर के साथ रजत पदक और रांची के ही पार्थ सिंह ने 7।00 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। जबकि इस स्पर्धा का स्वर्ण तमिलनाडु के जितिन आरसी ने जीता। बता दें कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन पार्थ सिंह ने 100 मीटर में नए मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण एवं जैवलिन थ्रो में जामताड़ा की सविता मुर्मू ने कांस्य पदक जीता था। इस उपलब्धि पर भारतीय एथलेटिक्स संघ के कोषाध्यक्ष डॉ मधुकांत पाठक, झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सीडी सिंह, संघ के पदाधिकारी आलोक मिश्रा,आशीष झा,सुखैर भगत, फादर रामू,,बरूण कुमार,किरण रानी साहू, प्रभाकर वर्मा, संजय त्रिपाठी,रविंद्र मुर्मू,बंधन टोप्पो,मुकुल टोप्पो, साई कोच कोच बिनोद सिंह, योगेश यादव, टीम कोच आशु भाटिया,टीम मैनेजर नरेश कुजूर समेत राज्य के खेल प्रेमियों ने विजेता एथलीटों को बधाई दी।

पेरिस कमेटी के लिए पांच प्रत्याशियों का चयन

रांची, सूत्रकार

चीफ इलेक्शन अधिकारी पीपी पौड़ और सीएनआई पुरोहित डेविड की अगुवाई में रांची के संतपौल्स कथिड्रल चर्च में रांची पेरिस कमेटी का चुनाव कराया गया। पेरिस कमेटी चुनाव में पांच लोग चुने गये।इनमें आलोक तिर्की,सामुएल तिग्गा, हिमांशु निलय कुजूर,अनशुल किस्पोट्टा,उषा किस्पोट्टा शामिल हैं।मतदान सबुह नौ बजे शुरू हुआ था। मतदान शांति पूर्वक कराने के लिए 17 बूथ बनाए गए थे। मंडली के लिए अलग अलग टेबल बनाए गए थे। सभी बूथों पर दो दो लोगों को नाम और पर्ची लिखने के लिए रखा गया था। इसमें 4500 चर्च के सदस्य हैं इसमें 2829 लोग मतदान में भाग लिया।चुनाव में 13 प्रत्याशी मैदान में थे। सुबह नौ बजे से चार बजे तक मतदान हुआ। शाम 5 बजे मतगणना के लिए मतदान पेटी खोला गया।जिसमें पांच लोग पेरिस कमेटी चुनाव में अधिक वोट लाकर चुने गए। पांच प्रत्याशी के अधिक वोट आने पर पुरोहित एस डेविड ने संदेश दिया और कहा कि परमेश्वर कलिसिया के काम के लिए चुने गये हैं। विश्वास बनकर परमेश्वर के कार्य को पूरा करना है।सकारातमक विचारों से सभी कार्य को पूरा करना है। इस चुनाव मे आलोक तिर्की को 687,सामुएल तिग्गा -519,हिमांशु निलय कुजूर -451,अनशुल किस्पोट्टा -489उषा किस्पोट्टा को 435 मत प्राप्त हुए।

एनडीए फोल्डर में रहकर लड़ेंगे विस चुनाव : सुदेश

रांची, सूत्रकार

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने आज सोमवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में लोगों का अलग मिजाज होता है। पंचायत, विधानसभा, लोकसभा सबों में देखने की दृष्टि अलग-अलग होती है। विपक्ष ने एनडीए की जीत पर संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने का झूठ फैलाया। जबकि इसके बड़े नेता ने झारखंड की इसी धरती पर कहा कि जब तक उनकी सांस है, कोई संविधान नहीं बदल सकता। सुदेश महतो ने आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए फोल्डर में रहते ही चुनाव लड़ने की बात कही। सुदेश ने कहा कि इस सरकार का यह विदाई वर्ष है। उसके कमिटमेंट और दावे खोखले साबित हो चुके हैं। जाते जाते सरकार फिर से मजाक करने में लगी है। नियोजन नीति, विस्थापन को लेकर वह केवल राजनीति करती रही है। ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रस्ताव लेकर आने की बात हुई। अब इससे संबंधित आयोग ने 27 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा है। यह सब बिना किसी आंकड़े के हो रहा है। आरक्षण, सरना धर्म कोड और अन्य विषयों पर हम सरकार के साथ खड़े रहे, पर सरकार गुमराह ही करती रही। जिसकी जितनी आबादी, उतनी भागीदारी हो। इस सरकार में एक मंत्री के लिए एक भी एससी नहीं मिल रहा।

हाईकोर्ट ने कहा-जीएसटी अधिकारियों को कार्यालय अवधि के बाद बयान देने के लिए नहीं करना चाहिए बाध्य

रांची, सूत्रकार

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि किसी व्यक्ति को जीएसटी अधिकारियों को कार्यालय अवधि के बाद बयान देने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए या उन पर दबाव नहीं डालना चाहिए। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की खंडपीठ ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी के नियमों के तहत सक्षम अधिकारी को कार्यालय समय के बाद बयान देने के लिए किसी व्यक्ति को बाध्य नहीं करना चाहिए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने अपनी बहस के दौरान यह दलील दी कि किसी भी अधिकारी का बयान कार्यालय अवधि के दौरान ही दर्ज किया जाना चाहिए। दरअसल जीएसटी के अधिकारियों ने जमशेदपुर के शिव कुमार देवड़ा को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था। उनसे एक बार पूछताछ भी हो चुकी थी, जिसमें काफी समय लगा था। प्रार्थी के मुताबिक, उनसे देर रात तक पूछताछ की गयी और दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर यह मांग की कि कार्यालय अवधि के दौरान ही उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाये। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने जीएसटी के अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि जीएसटी कमिश्नर के निदेर्शों का पालन करते हुए और कानून में निहित प्रावधानों के तहत ही किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया जाये।

पीएस के ट्रांसफर-पोस्टिंग की तैयारी, इसी सप्ताह बदले जायेंगे कई जिलों के एसपी के अलावा डीआईजी-आईजी

रांची, सूत्रकार

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही चंपाई सरकार एक्शन में आ गयी है। बीते दिनों सीएम ने विधि व्यवस्था के साथ-साथ अन्य विभागों की समीक्षा भी की। इस बीच सरकार आईपीएस रैंक के अफसर के तबादला की तैयारी की जा रही है। सूचना है कि इसी सप्ताह कई जिलों के एसपी के अलावा डीआईजी और आईजी रैंक के अधिकारियों का भी तबादला किया जायेगा। खबर यह भी है कि सरकार की ओर से विधानसभा चुनाव से पहले किये जाने वाले तबादले की चर्चाओं के बीच अभी से कई अधिकारियों ने अपने लिए एप्रोच लगानी भी शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि कई अधिकारी कुछ मंत्रियों और अन्य व्यक्तियों से संपर्क कर खुद के लिए अच्छी पोस्ट और स्थान की एप्रोच कराने में लगा। जानकारी के मुताबिक, प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों को और भी जिलों का जिम्मा मिल सकता है। वर्तमान में झारखंड के 24 जिलों में से प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों के पास 11 जिलों की जिम्मेदारी है। डायरेक्ट आईपीएस अफसर के जिम्मे 13 जिलों की कमान है। वर्तमान में झारखंड पुलिस में डायरेक्ट आईपीएस के कुल 42 एसपी रैंक के अधिकारी है। वहीं स्टेट पुलिस सर्विस के 29 अधिकारी एसपी रैंक है। जानकारी के अनुसार, झारखंड सरकार राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर गंभीर है। ऐसे में बेहतर परिणाम नहीं देने के वाले कई आईपीएस अफसर बदले जायेंगे। ऐसे अधिकारियों के काम की समीक्षा की जा रही है।

बाइक से हो रही थी डोडा की ढुलाई

ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने एक को दबोचा

रांची, सूत्रकार

नशा के सौदागर पुलिस से बचने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। अब बाइक से डोडा की ढुलाई की जा रही है। रांची पुलिस ने इसका खुलासा किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नगड़ी थाना क्षेत्र के हल्कू गांव की ओर से दो पल्सर बाइक पर डोडा से भरी बोरियां ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद मुख्यालय द्वितीय डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर अभियान चलाया गया। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि बारिडीह गांव पहुंचने पर कुछ इंतजार के बाद पुलिस को हल्कू गांव की ओर से दो बाइक आती हुई देखी।

पुलिस ने जब बाइक रोकने का इशारा किया तो एक शख्स बाइक छोड़कर भाग गया। दूसरा शख्स भी भाग रहा था लेकिन पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से उसे धर दबोचा। जांच के दौरान बाइक पर लदी पांच बोरियों से 80 किलोग्राम से ज्यादा डोडा बरामद हुआ है। गिरफ्तार किए गए शख्स की पहचान खूंटी के साइको थाना क्षेत्र के जिलिंगकेला निवासी सुलेमान मुंडू के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में उसने अपने फरार सहयोगी का नाम दयाल बताया है। दोनों युवक पांच बोरियों में डोडा भरकर तस्करी कर रहे थे। घटनास्थल से काला और ग्रे रंग की दो पल्सर बाइक बरामद हुई है। छापेमारी दल में डीएसपी अरविंद कुमार, नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय समेत तीन अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। दरअसल, रांची में तेजी से नशा के कारोबार ने पांव पसारा है। पिछले दिनों विधि व्यवस्था को लेकर सीएम ने समीक्षा बैठक की थी, उससे पहले बीजेपी ने सभी जिलों के एसपी के साथ समीक्षा बैठक के दौरान स्पष्ट किया था कि रांची में फैल रहे नशा के धंधे के नेटवर्क को जल्द से जल्द ध्वस्त करना है। पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता है। फिलहाल घटनास्थल से फरार दयाल की खोजबीन की जा रही है। पुलिस को इस धंधे से जुड़े बड़े नेटवर्क के खुलासे की उम्मीद है।

दीपिका और इरफान में एक का मंत्री बनना तय

रांची, सूत्रकार

कैश और कमीशन खेल आरोप में जेल में बंद तत्कालीन मंत्री व विधायक दल नेता के आलमगीर आलम के बाद कांग्रेस कोटा से चौथा मंत्री कौन होगा। इस पर सस्पेंश कायम है। फिलहाल विधानसभा में उपनेता प्रदीप यादव को ही विधायक दल नेता पद का कामकाज देखने को कहा गया है। पर मंत्री कौन बनेगा, इसको लेकर रांची से दिल्ली तक लॉबिंग तेज हो गयी है। कांग्रेस चौथे मंत्री पद के लिए बहुत ही फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। कांग्रेस इसको लेकर महिला कार्ड और मुस्लिम दोनों पर विचार कर रही है। अगर महिला कार्ड को ध्यान रखा गया तो दीपिका सिंह पांडेय और मुस्लिम कार्ड खेला गया तो डॉ इफरान अंसारी में एक का मंत्री बनना करीब-करीब तय माना जा रहा है। कांग्रेस में आलमगीर आलम के जेल जाने के बाद डॉ इरफान अंसारी ही एक मात्र मुस्लिम चेहरा बच गए हैं। इसलिए मुस्लिम कार्ड में इनकी लॉटरी लग सकती है। कांग्रेस को 2019 के विधानसभा और उपचुनाव के बाद चार महिला विधायक मिले थे। जिसमें एक रामगढ़ विधायक को सजा होने के बाद उनकी विधायक चली गयी और यह सीट पुनः आजसू के खाते में चली गयी। इसके बाद भी कांग्रेस के पास अभी तीन महिला विधायक दीपिका सिंह पांडेय, अंबा प्रसाद, शिल्पी नेहा तिर्की हैं। संख्या बल के आधार पर महिला कोटे से आधी आबादी की दावेदारी काफी मजबूत है। इस आधार पर दीपिका सिंह पांडेय की लॉटरी निकल सकती है। वैसे भी गोड्डा से टिकट देकर फिर वापस करने पर वे नाराज चल रही हैं।

भगवान जगन्नाथ की शरण में पहुंचे वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव

रांची, सूत्रकार

राज्य के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव सोमवार को भगवान जगन्नाथ के शरण में पहुंचे। पूजा अर्चना कर उन्होंने राज्यवासियों की खुशहाली के साथ अच्छी बारिश की कामना की। इसके बाद उन्होंने रथ मेला की तैयारियों का भी जायजा लिया। रथ यात्रा की तैयारी में लगे स्थानीय कारीगरों से भी मुलाकात की और उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने निर्माण हो रहे रथ के कार्यों पर भी संतोष जाहिर किया। बताते चलें सात जुलाई से रथ मेला की शुरूआत होगी। मंत्री ने बताया कि वे पहली बार 1974 में जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल हुए थे। इसके बाद भी उन्हें कई अवसरों और परिचितों की शादी विवाह कार्यक्रम में यहां आने का मौका मिलता रहा है।

बकाया वेतन की मांग को लेकर एचईसी कर्मचारियों का प्रदर्शन

एचईसी डायरेक्टर कार्यालय का किया घेराव

रांची, सूत्रकार

बकाया वेतन को लेकर धुर्वा स्थित एचईसी कारखाना के कर्मचारी पिछले कई महीनों से आंदोलनरत हैं। करीब डेढ़ साल से एचईसी कर्मचारियों और पदाधिकारियों का वेतन बकाया है लेकिन वेतन के भुगतान को लेकर प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही है। इसे लेकर सोमवार को एचईसी के कर्मचारियों ने एक बार फिर डायरेक्टर ऑफ पर्सनल और डायरेक्टर ऑफ प्रोडक्शन का घेराव किया। बता दें कि पिछले दिनों भी एचईसी के कर्मचारियों ने आक्रोश जाहिर करते हुए एचईसी हेडक्वार्टर के गेट के सामने विरोध-प्रदर्शन किया था। इस दौरान कर्मचारियों ने अधिकारी को कार्यालय से बाहर निकाल दिया था और उन्हें ऑफिस में बैठने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद अधिकारी एचईसी के अधिकारी गेस्ट हाउस में बैठकर काम कर रहे थे। इधर, जैसे ही एचईसी कर्मचारियों को यह पता चला कि अधिकारी गेस्ट हाउस में बैठकर काम कर रहे हैं और उनके बकाया वेतन को लेकर कोई संज्ञान नहीं ले रहे हैं तो सोमवार को सभी कर्मचारी और पदाधिकारी डायरेक्टर पर्सनल, डायरेक्टर ऑफ प्रोडक्शन का घेराव करने के लिए गेस्ट हाउस पहुंच गए। आक्रोशित एचईसी कर्मचारी सोमवार सुबह से गेस्ट हाउस स्थित कार्यालय को घेर कर बैठे हुए हैं। इस दौरान एचईसी कर्मचारियों ने बताया कि हेडक्वार्टर का घेराव करने के बाद जब अधिकारियों ने उनकी नहीं सुनी तो मजबूरन उन लोगों को गेस्ट हाउस का घेराव करना पड़ा। पिछले एक साल से बकाया वेतन को लेकर लगातार कर्मचारी विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन की तरफ से बकाया वेतन भुगतान को लेकर कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। एचईसी गेस्ट हाउस का घेराव करने पहुंचे कर्मचारियों ने कहा कि जब तक उनके बकाए वेतन के भुगतान करने की तारीख निर्धारित नहीं की जाएगी, तब तक कर्मचारी प्रदर्शन जारी रखेंगे। फिलहाल सभी कर्मचारी डायरेक्टर के पर्सनल मनोज लकड़ा और डायरेक्टर ऑफ प्रोडक्शन बीएस गर्ग को ऑफिस से बाहर नहीं निकलने दे रहे रहे हैं। इस दौरान एचईसी कर्मचारी बकाया वेतन के भुगतान के लिए एक निश्चित तारीख तय करने की बात पर अड़े हुए हैं।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला का समापन

रांची, सूत्रकार

सरला बिरला विश्वविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की ओर से चार दिवसीय राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला सह अभ्यास वर्ग का सोमवार को समापन हो गया। कार्यशाला संयोजक डॉ। विजय सिंह ने बताया कि इस अभ्यास वर्ग में न्यास के विभिन्न प्रांतों के चयनित कार्यकताओं को निमंत्रित किया गया था। इस दौरान न्यास की कार्य पद्धति, कार्य शैली, प्रवास, पंचपरिवर्तन (कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य बोध, स्वदेशी व स्वबोध) समन्वय जैसे व्यवहारिक विषयों पर कार्यकताओं को जानकारी दी गई। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय संयोजक ए। विनोद ने बताया कि आगामी 16-17 अगस्त को प्रचार-प्रसार की राष्ट्रीय बैठक दिल्ली में आयोजित की जाएगी। 13 से 15 सितंबर को चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास के विद्यालय व महाविद्यालय स्तर की राष्ट्रीय कार्यशाला रायपुर में आयोजित की जाएगी। वहीं 21 और 22 सितंबर को पर्यावरण विषय की राष्ट्रीय बैठक उदयपुर तथा 18 और 19 अक्टूबर को राष्ट्रीय संचालन समिति की बैठक गुजरात के सोमनाथ में आयोजित की जाएगी। इस वर्ष देशभर के चार भागों में होने वाले ज्ञान कुंभ नवम्बर-दिसम्बर में आयोजित किए जाएंगे। उत्तर क्षेत्र का कुंभ हरिद्वार, पश्चिम का कर्णावती, पूर्व का नालंदा और दक्षिण के पुडुचेरी में आयोजित होगा। प्रयागराज में होने वाले ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 7,8 और 9 फरवरी 2025 को होगा। इस ज्ञान महाकुंभ से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा। अभ्यास वर्ग में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो आलोक चक्रवाल, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अजय तिवारी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति राजेश वर्मा, एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक गौतम सूत्रधार, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंज़िला गुप्ता, छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई के कुलपति प्रो मुकेश वर्मा आईईएस विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो राजेश सिंह तोमर, बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एमके सिंह, वाईबीएन विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति रामजी यादव, साईंनाथ विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रो एसपी अग्रवाल, झारखंड प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। डीके सिंह, अर्का जैन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंगद तिवारी, आइसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीश गोविंद उपस्थित थे।

ओल्ड ऐज होम में जेसीआई यूथ की एक शाम बुजुर्गों के नाम

रांची, सूत्रकार

जेसीआई यूथ रांची ने बरियातू स्थित सीनियर सिटीजन ओल्ड ऐज होम में रविवार को एक शाम पूज्य बुजुर्गों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्था की अध्यक्ष सोनल अग्रवाल ने कहा कि वृद्धों को भोजन कराया गया। यह बहुत अच्छा लगा, सभी वृद्धों ने आशीर्वाद दिया। वृद्धों के सम्मान एवं मनोरंजन के लिये कार्यकम पेश किये गये।

उनकी खुशी के लिये गीत संगीत, नृत्य, अंताक्षरी के रोचक आयोजन किये गये। जिससे वे काफी मंत्रमुग्ध हुए। अपनों के प्यार से दूर वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को जब मनोरंजन के ये पल मिले तो वे काफी खुश हुए। कहा कि जो लोग बुजुर्गों की सेवा करते हैं, उनकी आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। जिसके मार्ग दर्शन में हम काफी उन्नति कर सकते हैं। यदि हमारा धरती पर कोई वजूद है तो उसमें हमारे माता पिता एवं बुजुर्गों का योगदान है।

आयोजन को सफल बनाने में सचिन ड्रोलिया, मोनिका गोयनका, विकास झाझरिया आदि ने योगदान दिया थे।

विश्वासी परमेश्वर का साक्षी बनें : धर्माध्यक्ष

रांची, सूत्रकार

कलिसिया सेवा में विश्वासियों की अनेक क्षमताएं होती है। वे साधारण मनुष्य है। इसके बाद भी अपने विश्वास को दूसरों को दिखा सकते है। ये बात रांची धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष विसेंट आइंद ने आरा पल्ली में संत एंथोनी चर्च को समर्पित करने के दौरान कहा। उन्होने सभी विश्वासियों को ईश्वर का साक्षी बनने का संदेश दिया। आयोजन आरागेट पल्ली के द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें फादर रंजीत एक्का, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, पल्ली पुरोहित फादर बेसिल रुंडा, सहायक पल्ली पुरोहित फादर मुक्ति प्रकाश, फादर संतोष डिसूजा, फादर जॉर्ज लकड़ा, फादर असिम मिंज समेत अन्य शामिल थे। इससे पहले नव निर्मित गिरजाघर का अभिषेक एवं उदाघाटन हुआ। मिस्सा बलिदान अर्पित किया गया। पल्ली का संक्षिप्त उदाहरण प्रस्तुत किया गया। चर्च के विकास में योगदान देने वाले को सम्मानित किया गया।

ईद उल अजहा के अवसर पर राजधानी के ईदगाहों, मस्जिदों में अदा की गयी नमाज

रांची, सूत्रकार

ईद उल अजहा के अवसर पर राजधानी के ईदगाहों, मस्जिदों में नमाज अदा की गयी। नमाज अदा कर देश और राज्य की खुशहाली, अच्छी बारिश, अमन-चैन के लिए अल्लाह पाक से दुआ की गयी। नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। इसके बाद अपने-अपने घरों में कुबार्नी दी गयी। बकरीद के अवसर पर एक दूसरे से मिलने का सिलसिला दिन भर चलता रहा। उधर बकरीद को देखते हुए रांची पुलिस भी पूरी तरह से सतर्क रही। रांची के तमाम स्थानों पर आज सुबह 5 बजे से ही पुलिस बल अपनी ड्यूटी संभाल चुके थे, जो देर रात तक जारी रही। सुबह से मौसम का मिजाज साथ रहा। हल्की धूप में ईदगाहों में नमाज अदा की गई। रांची हरमू ईदगाह में मौलाना डॉ असगर मिस्बाही ने नमाज पढाई, तो डोरंडा ईदगाह में मौलाना सैयद शाह अलकमा शिबली ने नमाज पढ़ाई। हवारी मस्जिद में शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी ने नमाज पढ़ाई, तो मस्जिद जाफरिया में मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने नमाज पढ़ाई।सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर पुलिस के द्वारा रखी जा रही है। रांची पुलिस के द्वारा एक दिन पूर्व ही यह संदेश जारी कर दिया गया था कि अगर कोई भी सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। दो हजार जवान बकरीद को देखते हुए राजधानी के सभी संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ-साथ ड्रोन की टीम को भी तैनात किया गया है। सभी थाना प्रभारी नमाज के वक्त अपने-अपने इलाकों में भ्रमणशील रहे। बकरीद को लेकर राजधानी रांची में दो हजार पुलिस बलों की तैनाती की गई है। खासकर वैसे ही इलाके जहां बकरीद के समय पूर्व में सामाजिक सौहार्द बिगड़ा था। वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। ईद और बकरीद पर हर वर्ष कर्बला चौक पर बच्चों के लिए झूला लगता आया है, इस वर्ष भी लगा है। जहां बच्चों का उत्साह देखते बनता है। बड़ों से ईदी लेकर घूमने जाना और झूला पर बैठना बच्चों को बहुत पसंद है।

न्यूज फ्लैश

मस्जिदों में ईद उल अजहा की नमाज अदा की गयी

पलामू, सूत्रकार

हुसैनाबाद के ईदगाह समेत विभिन्न मस्जिदों में ईद उल अजहा की नमाज अदा की। साथ ही कुर्बानी की सुन्नत भी लोगों ने अदा की और एक दूसरे से गले मिलकर ईद उल-अजहा की मुबारकबाद दी। इस मौके पर लोग सेवई का आनंद लेने के साथ बकरे की कुर्बानी भी दी। भीषण गर्मी की वजह नमाज का अंतिम समय कुछ मस्जिदों में सुबह 7 बजे रखा गया था। एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने बताया कि बकरीद में तीन दिनों तक कार्यक्रम होता है। इसलिए सभी थाना को तीनों दिन क्षेत्र पर नजर रखने की हिदायत दी है।

पलामू में दुष्कर्म पीड़िता की बहन की बालिका गृह में मौत

पलामू, सूत्रकार

बालिका गृह में एक बच्ची की मौत हो गई है। मृत बच्ची दुष्कर्म पीड़िता की बहन थी। बच्ची मानसिक रूप से कमजोर थी और उसका इलाज चल रहा था। पलामू बालिका गृह में बच्ची की मौत के बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम किया गया। उसके बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जून 2023 में पलामू के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र में एक अनाथ बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। दुष्कर्म पीड़िता और उसकी 10 वर्षीय बहन को पुलिस की पहल पर बालिका गृह लाया गया था। 2023 से दोनों बहन बालिका गृह में रह रही थी। करीब एक महीने पहले दोनों बहन मेदिनीनगर थाना इलाके में लावारिस हालात में मिली थी। दोनों बालिका गृह से निकल कर बाहर चली गई थीं। इसके बाद में बालिका गृह प्रबंधन दोनों के रेस्क्यू कर दोबारा ले गई थी। इस संबंध में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश कुमार ने बताया कि बच्ची की तबीयत खराब थी, उसे बुखार था। जानकारी मिलने के बाद बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान नाबालिग की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि दंडाधिकारी की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम किया गया है। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। इधर, बालिका गृह के दस्तावेज में कहा गया है कि बच्ची को फरीका का दौरा पड़ने के बाद उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। पिछले कुछ महीने से पलामू बालिका गृह चर्चा में है। एक सप्ताह पहले बाल गृह से साहिबगंज का एक बच्चा फरार हो गया था।

चाईबासा में नाबालिग के साथ दुष्कर्म, तीन गिरफ्तार

चाईबासा, सूत्रकार

जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। घटना शनिवार रात की है। मेला देखकर घर लौट रही एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में मनोहरपुर थाना क्षेत्र के ही रहने वाले सुधांशु महतो, मनीष लोमगा और सुभाष भेंगरा शामिल हैं। मनोहरपुर थाना में पीड़िता के बयान के आधार पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार पीड़िता शनिवार की शाम दूसरे गांव गई थी, जहां उसके गांव का परिचित युवक उसे मिला। उसके बाद वह उस युवक के साथ मासंत मेला देखने चली गई। मेला देखकर पीड़िता युवक के साथ वापस देर रात अपनी बहन के घर लौट रही थी। इसी दौरान दुष्कर्म तीन युवक जो मेला से उनका पीछा कर रहे थे सुनसान जगह पर उन्हें रोका। आरोपी युवकों ने लड़की को पकड़ लिया और परिचित युवक को मारपीट कर भगा दिया। इसके बाद लड़की को डरा धमका कर उसे जबरदस्ती जंगल की तरफ ले गए। जंगल में तीनों ने पीड़िता के साथ छेड़खानी की। उसके बाद एक आरोपी युवक लड़की को अपने घर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता किसी तरह जान बचाकर अपने घर भाग गई। घर में पहुंच कर परिजनों को पूरी मामले की जानकारी दी। रविवार को लड़की के परिजनों ने मनोहरपुर थाना पहुंचकर मामले की जानकारी दी। जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के अंदर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि की है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल 3 आरोपियों की भी गिरफ्तारी की गई है। पुलिस अग्रतर कार्रवाई कर रही है।

बच्चा चोरी के आरोप में युवक की पेड़ से बांधकर पिटाई

दुमका, सूत्रकार

जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के जामबाद गांव में बच्चा चोरी का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने एक युवक को पेड़ से बांधकर पिटाई कर दी। घायल युवक को शिकारीपाड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया है। पुलिस युवक का इलाज कराने और मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल घायल युवक का नाम सोम किस्कू है और वह शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के ही हीरापुर गांव का रहने वाला है। 15 - 20 दिन पहले वह अपने गांव से ससुराल जामबाद गांव आया था। वहीं पर लोगों ने उसकी पिटाई की है। इधर सोम के ससुराल वाले जो अस्पताल पहुंचे हैं उनका कहना है कि वह अपने साले सिरिल हेम्ब्रम के बेटे को गांव में घूमा रहा था, इसी बीच कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया और कहने लगे कि तुम इस बच्चे को चुरा कर भाग रहे हो। यह आरोप लगाते हुए सोम किस्कू के हाथ पांव बांध दिए और पिटाई करना शुरू कर दिया। फिलहाल वह इलाजरत है। इस पूरे मामले पर शिकारीपाड़ा के थाना प्रभारी हरि लाल साह का कहना है कि हमारी प्राथमिकता पहले इसका इलाज कराने की है। उसके बाद इसके साथ जो हुआ उसकी जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साहिबगंज में शांतिपूर्ण माहौल में बकरीद पर की गई नमाज अदा

साहिबगंज, सूत्रकार

जिले में बकरीद पर्व के अवसर पर सुबह सात बजे नमाज अता की गई। जिले के स्टेडियम रोड, बरहड़वा, राजमहल, महादेवगंज, कोदरजन्ना, मिजाचौकी, बोरियो समेत अन्य प्रखंडों के कब्रिस्तान में पुलिस प्रशासन की निगरानी में लोगों ने शांतिपूर्ण माहौल में नमाज अता की। छोटे-छोटे बच्चों ने भी नमाज अता की। लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी और अमन का पैगाम दिया। बकरीद के त्योहार को लेकर शहर की अधिकांश दुकानें बंद रही। लोग जश्न मनाने में जुटे रहे। लोग एक-दूसरे के रिश्तेदारों के यहां पहुंचकर गले मिल रहे हैं और उपहार दे रहे हैं। नमाज के दौरान स-ुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। निगरानी के लिए प्रशासनिक ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल किया जा रहा था। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी। संवेदनशील व अतिसंवेदनशील जगहों पर दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी निगरानी कर रहे हैं। शहर के एलसी रोड, कुलीपाड़ा में पर्व मनाने वालों की आवाजाही शुरू हो गई है। शांति समिति की बैठक में प्रशासन ने लोगों से पर्दे के पीछे कुर्बानी करने की अपील की है। एलसी रोड, कुलीपाड़ा, महादेवगंज व उधवा जैसे संवेदनशील व अतिसंवेदनशील जगहों पर सुबह से ही बल की तैनाती कर दी गई थी। जिले के सदर एसडीपीओ किशोर तर्की व सदर एसडीएम अंगारनाथ

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने बकरीद की नमाज अदा की

देवघर, सूत्रकार

झारखंड के संथाल परगना प्रमंडल में कुर्बानी का पर्व बकरीद मनाया गया है। इस अवसर पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की। इसके बाद एक-दूसरे से गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद थी। झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने अपने पैतृक स्थान देवघर जिला के मधुपुर के पिपरा गांव के मस्जिद में नमाज पढ़ी और लोगों से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी।

स्वर्णकार ने ईदगाह का निरीक्षण किया। नमाज अता होने तक सभी मौके पर ही डटे रहे।

रामसेवक सिंह गुंजन अध्यक्ष व अभिषेक सूर्य बने सचिव

देवघर, सूत्रकार

संस्कार भारती संस्था की देवघर इकाई की वार्षिक आमसभा संस्कार भारती के कार्यालय में झारखंड प्रांतीय समिति के पर्यवेक्षक सच्चिदानंद सिंह की देखरेख में हुई। इसमें समिति का पुनर्गठन किया गया। नयी इकाई में अध्यक्ष राम सेवक सिंह गुंजन, सचिव अभिषेक सूर्य व कोषाध्यक्ष विजय राज सोलंकी बनाये गये। इससे पहले सचिव व कोषाध्यक्ष ने वार्षिक प्रतिवेदन समर्पित किया। झारखंड के विभिन्न हिस्से से आये प्रतिनिधि ने वर्ष 2023-24 की कार्यकारिणी को भंग किया और बताया कि इस वर्ष पहले अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष की घोषणा की गयी तथा केंद्र की साधारण सभा के बाद नयी कार्यकारिणी का गठन होगा। इस वर्ष से नयी समिति का कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। 2023-2024 की कार्यसमिति यथावत कार्यरत रहेगी। संजय मालवीय को कार्यकारी अध्यक्ष, राकेश राय, प्रेम केशरी, ऋषि राज सिंह और पवन टमकोरिया को उपाध्यक्ष, रौशन मिश्र को सह सचिव, राजनंदिनी को संगीत संयोजिका, अजित केशरी को नृत्य संयोजक, सुनील कुमार विश्वकर्मा को नृत्य सह संयोजक, नरेंद्र पंजियारा को चित्रकला संयोजक, विजय कुमार को लोक कला संयोजक बनाया गया है।

हजारीबाग में स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप 2024 का आयोजन

झारखंड समेत अन्य राज्यों के 150 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

हजारीबाग, सूत्रकार

जिले में स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें झारखंड समेत अन्य राज्यों के 150 स्केटिंग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। झील परिसर स्थित बास्केटबॉल पिच पर स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। गर्मी को देखते हुए देर शाम कार्यक्रम शुरू किया गया और रात करीब 12 बजे इसका समापन हुआ। हजारीबाग में कई खेलों के अलावा अब यहां के बच्चे स्केटिंग में भी रुचि ले रहे हैं। हजारीबाग के झील परिसर में पिछले दो दिनों से स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें हजारीबाग और झारखंड ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों के 150 स्केटिंग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। यह खेल काफी जोखिम भरा है, छोटी सी गलती में खिलाड़ी चोटिल भी हो सकते हैं।

यह खेल भारत ही नहीं बल्कि अन्य देशों में भी बड़े पैमाने पर खेला जाता है। आयोजित चैंपियनशिप में 5 वर्ष से 16 वर्ष तक के स्केटिंग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चैंपियनशिप जीतने के लिए बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना देखी गई। स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेकर बच्चे काफी खुश दिखे। अकरम खान पिछले कई वर्षों से हजारीबाग झील परिसर में बच्चों को स्केटिंग का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यहां 150 से अधिक बच्चे सड़कों पर स्केटिंग करते नजर आते हैं। कोच अकरम खान भी कहते हैं कि हजारीबाग जैसे छोटे शहर में अच्छे खिलाड़ी उभर रहे हैं। आने वाले दिनों में यहां के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों का हौसला भी बढ़ता है।

पाकुड़ में बीजेपी नेताओं ने की समीक्षा बैठक

संथाल परगना की दो सीट पर हार के कारण पर चर्चा

पाकुड़, सूत्रकार

हाल में हुए लोकसभा चुनाव में संथाल परगना की दो सीट पर भारतीय जनता पार्टी की हुई हार के बाद पार्टी नेताओं ने समीक्षा की। जिले के लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अमरापाड़ा प्रखंड में पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। जिसमें मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, राजमहल विधायक अनंत ओझा, जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय, ताला मरांडी के अलावा पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में राजमहल लोकसभा में पार्टी की हुई हार, सभी 6 विधानसभा में झामुमो से पीछे रहने सहित कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और कारणों को जाना गया। हालांकि पार्टी नेताओं ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में कड़ी मेहनत से सभी सीट पर जीत दर्ज करने की बात कही। राज्यसभा

सांसद आदित्य साहू ने कहा कि एसटी सीटों के लिए हमारे कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस ने यहां के मतदाताओं को झूठे वादे किये और बरगला कर उनका वोट हासिल कर जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पंचायत से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक वोट लेने के लिए कहीं झूठ नहीं बोलेस क्योंकि ये कला हमारे पार्टी कार्यकर्ताओ में नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सच्ची राजनीति करते है क्योंकि सेवा ही संगठन है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि वर्तमान सरकार ने पैसे के बल पर एवं झूठे वादे कर लोगों को बरगलाया और वोट लेने का काम किया। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता झूठे वादे करने वालों को सबक सिखाएगी। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में गुटबाजी, मनमुटाव के सवाल पर राज्यसभा सांसद ने कहा कि मीडिया के माध्यम से ऐसी खबरे आ रही थी। समीक्षा के दौरान इन बातों पर भी चर्चा की गई, लेकिन ऐसी कोई बात सामने छन कर नहीं आयी। उन्होंने कहा कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी ने सबसे ज्यादा सीट हासिल की है और जनता सब समझ रही है कि उनका विकास कौन कर सकता है। राज्यसभा सांसद ने स्थानीय कार्यकर्ता एवं नेताओं से कहा कि जिसकी हार होती है, जीत भी उसी की होती है। इसलिए अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारी करें और हमें सभी सीटों पर जीत हासिल करनी है।

माओवादी से जुड़ा अपराधी गिरफ्तार, चांदी की चेन के साथ पकड़ाया शातिर चोर

गिरिडीह, सूत्रकार

अपराधियों की धर-पकड़ के लिए चलाए गए छापेमारी अभियान में बगोदर पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने माओवादियों से जुड़े एक अपराधी एवं एक चोर को गिरफ्तार किया है। माओवादियों से संबंधित पर्चा/रसीद, चोरी का चांदी की एक चेन सहित दो मोबाइल फोन को पुलिस द्वारा बरामद किए गए हैं। माओवादी से जुड़े अपराधी का नाम चुन्नीलाल मुर्मु है और वह हजारीबाग जिला के टाटीझरिया थाना अंतर्गत बिसाय गांव का रहने वाला है। बगोदर इलाके के गैड़ा-सोनतुरपी जंगली इलाके में रविवार को शाम में बाइक पर सवार होकर वह घुम रहा था, उसके साथ कुछ अन्य अपराधी भी थे। ये लोग किसी अपराधिक योजना को अंजाम देने के फिराक में था। इसकी गुप्त सूचना गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा को मिली। इसके बाद एसपी के निर्देश पर

पुलिस इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इन अपराधियों की धर-पकड़ के लिए टीम जुट गई। सोनतुरपी जंगल के पास पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी को देखकर भाग रहे अपराधियों में एक अपराधी को पुलिस ने दबोच लिया जबकि अन्य अपराधी भागने में सफल रहे। थाना प्रभारी सुख सागर सिंह चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के पास से माओवादियों से संबंधित पर्चा/रसीद व एक मोबाइल जब्त किया गया। पकड़े गए अपराधी माओवादी से जुड़ा हुआ है और उसके द्वारा माओवादियों के नाम पर लेवी वसूलने का काम किया जाता था। बगोदर थाना क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे एक चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ष्पकड़े गए चोर का नाम सूरज कुमार है और वह विष्णुगढ़ प्रखंड के बरांय का रहने वाला है।

थाना प्रभारी सुख सागर सिंह चौधरी का कहना है कि गिरफ्तार चोर ने बताया कि उसके द्वारा ही पूर्व में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के एक चांदी की चेन और एक मोबाइल फोन बरामद किया। थाना प्रभारी ने बताया कि बगोदरडीह में चोरी करने के प्रयास में वह पकड़ा गया। गिरफ्तार चोर को सोमवार को गिरिडीह जेल भेज दिया गया है। बता दें कि पिछले एक सप्ताह से इलाके में चोरी की घटना बढ़ गई थी।

पाकुड़ में अवैध लॉटरी का कारोबार : पुलिस ने मारा छापा

लॉटरी टिकट समेत कंप्यूटर व प्रिंटर बरामद

पाकुड़, सूत्रकार

जिले में अवैध तरीके से लॉटरी की छपाई और सप्लाई करने के मामले में पुलिस ने छापेमारी की। जहां छापेमारी के दौरान कोई भी कारोबारी नहीं पाया गया। हालांकि ठिकाने से पुलिस को लॉटरी, कंप्यूटर, प्रिंटर और कटिंग मशीन मिले हैं। बताया जा रहा है कि जिला मुख्यालय के सिंधीपाड़ा मोहल्ले में अवैध तरीके से लॉटरी की छपाई कर सप्लाई करने का धंधा जोरशोर से चल रहा था। इस बीच अवैध धंधे को लेकर पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद एक पुलिस टीम गठित की गई और फिर ठिकाने पर छापेमारी की गई। हालांकि इस दौरान सभी कारोबारी मौके से फरार हो गया। पुलिस निरीक्षक सह नगर थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि सिंधीपाड़ा मोहल्ले में एक किराए के मकान में कुछ लोग रेलवे कर्मी बताकर रह रहा था और वहां लॉटरी छपाई कर सप्लाई करने का काम किया जा रहा था। मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गयी।थाना प्रभारी ने बताया कि छापेमारी के क्रम में कई सामान एवं लॉटरी जब्त किया गया। जबकि सभी लॉटरी कारोबारी मौके से फरार हो गए। थाना में राहुल मंडल सहित अन्य 6 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी और संभावित ठिकानों पर गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने बताया कि मुख्य सरगना राहुल मंडल है जो काफी दिनों से लॉ-टरी का कारोबार कर रहा और कुछ दिनों से यहां लॉटरी छपाई कर सप्लाई का काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि इस कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल है इसकी भी जांच की जा रही है।

शिकारीपाड़ा सीओ और पुलिस टीम को बालू माफियाओं ने खदेड़ा

दुमका, सूत्रकार

जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के पिनरगड़िया के समीप पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुरहाट थाना के सीमावर्ती क्षेत्र में खोड़ीडंगाल में बालू माफियाओं का पीछा करने पहुंचे शिकारापाड़ा सीओ और पुलिस टीम को बालू माफियाओं ने खदेड़ा दिया। साथ ही इस दौरान पुलिस-प्रशासन की मदद कर रहे एक शख्स को लाठी से मारकर घायल कर दिया गया है। शिकारीपाड़ा सीओ कपिलदेव ठाकुर ने बताया कि एनजीटी के आदेश के बाद 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों के घाटों से बालू उठाव पर रोक लगा दिया गया है। लेकिन दुमका के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र से होकर बहने वाली नदी के घाटों से बालू उठाव कर पश्चिम बंगाल भेजने की लगातार शिकायत मिल रही थी।

इसे लेकर रविवार को थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हरि प्रसाद साह और पुलिस

टीम के साथ मलूटी और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे थे। मलूटी से वापस लौटने के क्रम में पिनरगड़िया के पास बालू लदा एक ट्रैक्टर देखा गया। पुलिस ने बालू लोड ट्रैक्टर को जब्त कर लिया और पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट थाना क्षेत्र के सालबोनी निवासी दीपेन यादव का मोबाइल जब्त कर ट्रैक्टर को शिकारीपाड़ा थाना लाया जा रहा था। इसी क्रम में पिनरगड़िया गांव के पास अचानक ट्रैक्टर दाएं ओर मुड़ गया और काफी तेज गति से भागने लगा। हमने उस ट्रैक्टर का पीछा करना शुरू किया। इस दौरान ट्रैक्टर चालक ने प्रशासन और पुलिस की गाड़ी को भी धक्का मारने का प्रयास किया। तीन-चार किलोमीटर पीछा करने के उपरांत एक गांव में ट्रैक्टर पेड़ से जा टकराया। इसके बाद चालक ट्रैक्टर को छोड़कर नदी पार कर फरार हो गया।

इसी क्रम में बालू माफिया बालू लदा डाला को छोड़कर ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया इस दौरान बालू माफिया के कुछ आदमी जमा हो गए और पुलिस प्रशासन की मदद कर रहे एक व्यक्ति को डंडे से मारकर घायल कर दिया। हमलोगों ने घायल की इलाज के लिए पाकुड़िया थाना क्षेत्र के गणपुरा होते हुए कजलादहा पहुंचे। 108 एंबुलेंस से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया। शिकारीपाड़ा सीओ ने बताया कि इस मामले में अवैध बालू लदे ट्रैक्टर के चालक और मालिक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सीओ ने कहा कि किसी भी कीमत पर अवैध रूप से बालू का उठान नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए लगातार अभियान चला कर कार्रवाई की जाएगी।

पाकुड़ में दो गुटों के बीच विवाद

बमबाजी और पथराव से इलाके में तनाव

पाकुड़, सूत्रकार

जिला के सदर प्रखंड के गोपीनाथपुर और पश्चिम बंगाल के कृष्टानगर के ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। दोनों में विवाद इतना बढ़ गया कि नौबत मारपीट तक आ गयी। इसके बाद दोनों गुटों में पथराव के साथ-साथ बमबाजी भी हुई। इस झड़प में कुछ लोग घायल होने की भी सूचना है। हालांकि इस घटना की जानकारी मिलते ही मुफसिल थाना की पुलिस अतिरिक्त बल के साथ पहुंची और माहौल को शांत कराया।

इस घटना को लेकर अंचलाधिकारी भगीरथ महतो ने बताया कि दो गुटों के बीच विवाद उत्पन्न हुआ था और पुलिस के पहुंचते ही लोगों को शांत कराया गया है। पुलिस गांव में कैंप कर रही है।

स्थानीय लोगों से मिली प्राप्त जानकारी के मुताबिक गोपीनाथपुर गांव में एक व्यक्ति द्वारा कुर्बानी दी गयी थी और जमीन मालिक द्वारा इसका विरोध किये जाने के कारण माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसके बाद देखते ही देखते पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे कृष्टानगर के ग्रामीण पहुंचे और मारपीट पर उतर आए, साथ ही ईंट पत्थर भी एक दूसरे पर चलाने लगे। पाकुड़ जिला के गोपीनाथपुर के ग्रामीणों ने बताया कि पश्चिम बंगाल से आए लोगों ने कई घरों में तोड़फोड़ करने के साथ उनके साथ मारपीट की और बमबाजी भी की। इसकी सूचना मिलते ही मुफसिल थाना की पुलिस अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंची तो पश्चिम बंगाल के समशेरगंज थाना की पुलिस ने अपनी-अपनी सीमा में पहुंच कर हंगामा कर रहे लोगों को खड़ेदा है। फिलहाल दोनों राज्य की पुलिस गांव में कैंप कर रही है। दोनों तरफ के गांव में तनाव है लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। पाकुड़ की सीमा में एसडीएम प्रवीण करकेट्टा, सीओ भगीरथ महतो, पुलिस निरीक्षक अनूप रोशन तिग्गा, मुफसिल थाना प्रभारी संजीव कुमार झा जिला बल, आईआरबी के महिला एवं पुरुष जवान के साथ कैंप कर रहे हैं।

संपादकीय

पर्यटन सारथी परिवहन

यह महज यात्री बस नहीं है और न ही हिमाचल की डेस्टिनेशन में सहज रूट है। यह एक अनुभव, साल की गणना में खुला मौसम, पर्वतीय आवरण में चहलकदमी और लेह रूट का हिमाचल के पर्यटन का गहरा रिश्ता है। जाहिर तौर पर यह एचआरटीसी की साहसिक यात्रा का सालाना समारोह भी है, जो चंद महीनों के लिए ट्रांसपोर्ट की बादशाहत में हिमाचल को पर्यटन का ब्रांड बनाता है। दिल्ली- लेह मार्ग पर फिर से दौड़ रही बस अपने साथ शगुनों का एक पूरा मोहल्ला ले कर चलती है और यह सफर की चुनौतियों में मंजिल का भरोसा है। यानी 981 किलोमीटर की दूरी और तीस घंटे का साथ, पर्वतीय दुरुहता से गुजरने का शौर्य है। एक रिकार्ड, एक मील पत्थर और यादों के नजारों के बीच रुह में बस जाने का तजुर्बा। वास्तव में यह हिमाचल की दिलेर यात्रा है जहां ड्राइविंग हुनर की पराकाष्ठा में एचआरटीसी पर भरोसा परवान चढ़ता है, लेकिन अब हमें इस रिकार्ड से आगे निकल कर दिल्ली-लेह रूट के अनुभव को परिमार्जित करते हुए, इसे पर्यटकों की बेशकीमती मांग बनाना चाहिए ताकि यह एहसास सदा जिंदा रहे। यह इसलिए कि हिमाचल की धुरी केवल एक रूट की बस के इर्द-गिर्द घूम रही है। अगर हम इस रूट को पर्यटन का परमिट बना दें, तो मानव जिज्ञासा के हर मोड़ पर हिमाचल परिवहन सारथी बन सकती है। दिल्ली से मनाली तक के सफर की आरामदायक भूमिका में कई आयाम स्थापित करने के बावजूद आगे का सफर अभी भी एक रिवायत के सिवा नहीं बढ़ा। बेशक यह चार दिनों की चांदनी जैसा है, लेकिन इस खजाने में कई उपयोग व प्रयोग हो सकते हैं। यह महज यात्रा के आगे पर्यटन सारथी परिवहन की मुद्रा में हिमाचल के आकर्षण को कई गुणा बढ़ा सकती है बशर्ते हम इस एहसास की पेशगी में सैलानियों को यात्रा टिकट से कहीं आगे सुविधा टिकट की गारंटी दें। पर्यटन सारथी परिवहन की परिकल्पना में एक साथ लेह के लिए न केवल दिल्ली, बल्कि जयपुर, देहरादून-मसूरी, अमृतसर व जम्मू से बसें निकलें जो मनाली के आगे मिनी बसों का काफिला बन सकती हैं।

यात्रा के दौरान कम से कम एक दिन-रात का विश्राम हिमाचल में होना चाहिए। हिमाचल को अंतरराज्यीय बस सेवाओं से कुछ रूट पर्यटन सारथी परिवहन के रूप में चिन्हित करने चाहिएं। प्रदेश के बहुत सारे डेस्टिनेशन अब साधारण बस सेवाओं से कहीं अधिक लग्जरी बसों की अधिकतम मांग पैदा कर रहे हैं। धर्मशाला, डलहौजी, मनाली, शिमला, बीड़ व कुछ अन्य शहरों में निजी क्षेत्र परिवहन की इस मांग को पूरा करके सफल हो रहा है, तो परिवहन निगम को भी अपनी सेवाओं में यात्रियों के अलावा पर्यटक आकर्षित करने चाहिएं। पर्यटन सारथी परिवहन सेवा के तहत डेस्टिनेशन टू डेस्टिनेशन सेवा के आधार पर अगर बस सेवाएं उपलब्ध हों तो अंतरराज्यीय पर्यटन की क्षमता में पथ परिवहन निगम के घाटे कम हो जाएंगे। यह इसलिए भी कि निजी वोल्वो बसें अपने किराए व बस स्टॉपेज के कारण विवादित रहती हैं, जबकि दिल्ली जैसे शहर से पर्यटकों को हिमाचल पहुंचाने के लिए एचआरटीसी कई पैकेज बना सकता है। पर्यटन व परिवहन निगम अगर पर्यटन सारथी परिवहन योजना के साथी बनाए जाएं तो पर्यटन के रूट खासी चर्चा में आएंगे। ऊना या पठानकोट तक आ रहीं विभिन्न ट्रेनों विशेषकर वंदे भारत के साथ परिवहन निगम का अनुबंध पर्यटकों को आगे का आरामदायक सफर करा सकता है। हिमाचल पथ परिवहन निगम को चंडीगढ़, दिल्ली व हरिद्वार में अपने बस डिपो या बस स्टैंड स्थापित करने के अलावा दिल्ली-चंडीगढ़ के बीच एक यात्री एवं पर्यटक सुविधा रिजार्ट विकसित करना चाहिए ताकि हिमाचल आ रहे लोग यात्रा के अनुभव में स्वयं को सदा अतिथि समझें।

अल्पमत नहीं, बहुमती सरकार

रायसीना हिल्स की सत्ता स्थापित हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ग्रहण की है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है, लेकिन विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार अल्पसंख्यक (अल्पमत कहें) है और बहुत जल्दी इसका पतन होगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। हम एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के आंकड़े भी गिनें, तो वह 240 सांसदों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 99 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। उस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस! इतिहास को खंगालें, तो 1991 में कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन अल्पमत में थी। तब गठबंधन के सहयोगी दलों के समर्थन के बूते पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बन पाए थे।

उसके बाद सरकार को बचाए रखने के लिए कांग्रेस को सांसदों की खरीद-फरोख्त करनी पड़ी थी। देश के प्रधानमंत्री को अभियुक्त बना दिया गया था और केस चलाने के लिए विशेष अदालत बनाई गई थी। 2004 में लोकसभा में कांग्रेस के 145 सांसद जीत कर आए और तत्कालीन सत्तारूढ़ भाजपा 138 सांसदों के साथ पराजित पार्टी थी। बहुमत के आंकड़े से दोनों ही पक्ष बहुत दूर थे। गठबंधन का एक तम्बू तैयार किया गया और उसके नीचे समधर्मा राजनीतिक दल लामबंद हुए। तब प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बन सकी। खूब विरोधाभास थे, सरकार ने लगातार हिचकोले खाए, परमाणु करार पर वाममोर्चे के सांसदों ने समर्थन वापस तक ले लिया। मनमोहन सरकार अल्पमत में आकर लडखड़ाई। तब मुलायम सिंह की सपा के 39 सांसदों और अन्य का जुगाड़ करना पड़ा। मनमोहन सरकार गिरते-गिरते बची। 2009 में भी कांग्रेस 206 सांसदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। एक बात स्पष्ट कर दें कि परंपरानुसार राष्ट्रपति सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को ही सरकार बनाने का पहला न्योता देते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के समय में भाजपा 161, 182, 182 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। वाजपेयी ने ही विभिन्न समधर्मी दलों को साथ मिला कर एनडीए का गठन किया था। बेशक आज एनडीए की संरचना बदल चुकी है, लेकिन मूल गठबंधन वही है। तेलुगूदेशम पार्टी, जद-यू, शिवसेना सरीखे दल तब भी साथ थे और अंततः आज भी गठबंधन के घटक दल हैं। प्रधानमंत्री वाजपेयी ने 1998-2004 तक सुखद, सौहार्द, समन्वय के साथ सफल गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया। कांग्रेस और भाजपा के इन तमाम संदर्भों में बहुमत का जनादेश किसी के भी पक्ष में नहीं था, लिहाजा गठबंधन सरकारें बनीं और पूरे स्थायित्व के साथ अपने-अपने कार्यकाल सम्पन्न किए। अब सवाल है कि आज मोदी सरकार, विपक्ष के नजरिए से, अल्पमत की और अस्थिर सरकार क्यों है? संसद का सत्र जल्द ही शुरू हो रहा है। इसी 26 जून को स्पीकर का चुनाव होना है। चूंकि विपक्ष के पास अपेक्षाकृत आंकड़े काफी हैं, लिहाजा वह स्पीकर का उम्मीदवार उतारने के बयान दे रहा है। पूरा विपक्ष एक तरफ हो जाए और दूसरी ओर अकेली भाजपा को रखा जाए, तब भी विपक्ष पराजित हो जाएगा। सौदेबाजी के मद्देनजर कथित इंडिया ने डिप्टी स्पीकर के पद की मांग शुरू की है। यह निर्णय सरकार को लेना है। खुशफहमी में न रहें, लिहाजा जद-यू और टीडीपी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्पीकर भाजपा तय करेगी, क्योंकि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी है। स्पीकर का चुनाव ही तय कर देगा कि मोदी सरकार अल्पमत में है या उसका स्पष्ट बहुमत है। यकीनन सरकार के सामने खूब चुनौतियां होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी को अपना एकाधिकारवादी रुख भी बदलना पड़ सकता है। कैबिनेट से तो उन्होंने साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार पर सवाल नहीं किया जा सकता। फिलहाल मोदी सरकार अल्पमत की सरकार नहीं है।

अब नौकरियों की बड़ी चुनौती

‘ राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढकर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढकर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। ’

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी, जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसदी बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निःसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढकर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढकर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसदी महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसदी है।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है।

निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढ़ना होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुठ्ठी में लिए जा रहे हैं, उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध में 2014-24 की अवधि में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतः एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि सूक्ष्म कर्ज का इस्तेमाल स्थिर और टिकाऊ रोजगार सृजन के लिए किया जा रहा है। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएम-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यूए और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है तथा इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं।

अब तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढ़ने से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं, ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढ़ना होगा। सरकार ने 2023 तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न देशों के साथ 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे समझौतों को अब और बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। इससे देश की युवा श्रमशक्ति विदेशों में अधिक रोजगार के साथ अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई भी कर सकेगी। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार के द्वारा उनके विकास के एजेंडे में शामिल अधिक रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता के साथ ध्यान में रखा जाएगा। हम उम्मीद करें कि नई सरकार नई सरकारी नौकरियों के सृजन पर पूर्णरूपेण ध्यान देते हुए लघु-मध्यम उद्योग और असंगठित क्षेत्र में रोजगार की जरूरतों पर ध्यान देगी। हम उम्मीद करें कि मोदी सरकार के श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और कौशल विकास व उद्यमिता राज्यमंत्री जयंत चौधरी 142 करोड़ से अधिक आबादी के साथ दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में दुनिया की सर्वाधिक युवा आबादी को नए उच्च गुणवत्ता वाले कौशल से सुसज्जित करके उनके चेहरों पर रोजगार की मुस्कुराहट देने के साथ आर्थिक तस्वीर संवारने की संभावनाओं को साकार करने के लिए नई कारगर रणनीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे।

राष्ट्रीय विवेचन : जंगलों का हमदर्द बनने की जरूरत

चुनावी दौर में मुल्क की आवाम गुरबत, जाति, मजहब, मुफ्तखोरी की खैरात, नौकरियां व विकास जैसे मुद्दे उठाने के प्रति जागरूक है। मगर पर्यावरण संरक्षण व जंगलों की भयंकर आग जैसे संवेदनशील मसले पर आवाज कभी बुलंद नहीं होती। लोकसभा चुनावों के दौरान सियासी दलों ने महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। लेकिन पर्यावरण संरक्षण व जलते जंगलों का जिक्र किसी भी सियासी मंच से नहीं हुआ। पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा कभी चुनावी घोषणापत्रों में भी शामिल नहीं हुआ। वनाग्नि के मसले पर सियासी तौर पर भी कभी चर्चा नहीं हुई। भारत में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) को पर्यावरण अदालत कहा जाता है। एनजीटी को उच्च न्यायालय के बराबर शक्तियां प्राप्त हैं।

प्रताप सिंह

पूरे ब्रह्मांड में प्राकृतिक दुनिया की सबसे बेशकीमती व खूबसूरत संपदा पेड़ पौधों से लबरेज वन हैं। प्राचीन काल से वन्य क्षेत्र जंगली जानवरों व मानवता के लिए अनमोल प्राकृतिक संसाधन रहे हैं। देश की सियासत व तमाम इंतजामिया हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में मशगूल थे, मगर हिमाचल सहित कई अन्य राज्यों में जंगल दावानल की चपेट में आ चुके थे। नब्बे प्रतिशत से अधिक जैव विविधता जंगलों में ही पाई जाती है। लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के प्रति जागरूकता तथा पर्यावरण की अहमियत को समझाने के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर वर्ष पर्यावरण दिवस व पृथ्वी दिवस मनाए जाते हैं। जंगली जीवों के संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए तीन मार्च को विश्व वन्य जीव दिवस भी मनाया जाता है। जंगलों व पेड़ों के महत्व के मद्देनजर सन् 1950 से वन महोत्सव तथा वन संरक्षण से संबधित अतरराष्ट्रीय वन दिवस भी मनाया जाता है। पर्यावरण व वन संरक्षण के लिए देश की अदालतों में एक बड़ा कानूनी मसौदा मौजूद है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण व प्रशासन जैसी व्यवस्थाओं के दफ्तरों में अंग्रेजी झाड़ने वाली अफसरशाही तथा सैकड़ों अहलकार विराजमान हैं। राज्यों से लेकर मरकजी हुकूमत तक पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मौजूद हैं। लेकिन इसे इत्तेफाक कहें या व्यवस्थाओं की नाकामी, हर वर्ष जंगलों में लगने वाली भयंकर आग से निपटने के लिए कोई भी हिकमत-ए-अमली कारगर साबित नहीं हुई। बल्कि वनाग्नि की घटनाओं में हर वर्ष इजाफा हो रहा है।

चुनावी दौर में मुल्क की आवाम गुरबत, जाति, मजहब, मुफ्तखोरी की खैरात, नौकरियां व विकास जैसे मुद्दे उठाने के प्रति जागरूक है। मगर पर्यावरण संरक्षण व जंगलों की भयंकर आग जैसे संवेदनशील मसले पर आवाज कभी बुलंद नहीं होती। लोकसभा चुनावों के दौरान सियासी दलों ने महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। लेकिन पर्यावरण संरक्षण व जलते जंगलों का जिक्र किसी भी सियासी मंच से नहीं हुआ। पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा कभी चुनावी घोषणापत्रों में भी शामिल नहीं हुआ। वनाग्नि के मसले पर सियासी तौर पर भी कभी चर्चा नहीं हुई। भारत में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) को पर्यावरण अदालत कहा जाता है। एनजीटी को उच्च न्यायालय के बराबर शक्तियां प्राप्त हैं। सन् 2010 में एनजीटी की स्थापना का मकसद पर्यावरणीय क्षति व वन संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित मुद्दों को शीघ्रता से हल करने से है। आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के बाद पर्यावरण न्यायाधिकरण की स्थापना करने में भारत विश्व में तीसरा देश है। दुनिया के सबसे बड़े वन क्षेत्रों वाले दस देशों में भारत भी शामिल है, मगर दावानल की भयंकर चपेट में आने से जंगल, पर्यावरण व जैव विविधता जिस कदर सिसकियां भर रहे हैं, उस सूरत-ए-हाल को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। जंगल आग की चपेट में आ रहे हैं। देश में हजारों उद्योग व फैक्टरियां लगातार प्रदूषण उगल रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों व शहरों में ज्यादातर लोग प्रदूषण की जद में जीवनयापन करने को मजबूर हैं।

हिमाचल प्रदेश का नाम सुनते ही जहन में पहाड़ों व वनों की तस्वीर उभरती है। पर्वतीय राज्य हिमाचल में पर्यटन उद्योग युवावर्ग के लिए रोजगार का महत्त्वपूर्ण साधन है। मैदानी क्षेत्रों व शहरों से हजारों की तादाद में लोग भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए तथा सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहाड़ों का रुख करते हैं। प्रकृति से सराबोर जंगल पर्यटन उद्योग के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। मगर बरसात के मौसम में प्रकृति के प्रकोप से पहाड़ दरक रहे हैं। गर्मियों में जंगल भीषण आग से जल रहे हैं। कई जंगली जीवों व पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों का प्रजनन काल गर्मी के मौसम में होता है, परन्तु प्रतिवर्ष असंख्य वन्य जीव व जंगली जानवर वनों की भयानक आग में जलकर राख हो जाते हैं। वनों में आगजनी की बढ़ती घटनाओं से वन्य जीवों व पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियों का वजूद मिट चुका है। औषधीय वनस्पति से लबरेज वनों का आयुर्वेदिक पद्धति में भी अत्यधिक महत्त्व रहा है, मगर वनाग्नि से कई किस्म की औषधीय वनस्पति का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। यदि अमूल्य वन संपदा वनाग्नि की भेंट चढ़ जाएगी, तो पर्यावरण के साथ पर्यटन उद्योग भी मुतासिर होगा। वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर काबू पाने का मुफीद विकल्प पेड़ों से लबरेज वन्य क्षेत्र हैं। वन्य क्षेत्र के बिना स्वच्छ पर्यावरण, जैव विविधता व जंगली जीवों के वजूद की कल्पना नहीं की जा सकती। वनों में आग लगने की घटनाओं पर देश के न्यायालय, पर्यावरणकर्ता व सरकारें चिंता जरूर व्यक्त करती हैं, जबकि प्रकृति को सबसे अधिक नुकसान मानवीय गतिविधियों से ही पहुंचता है। जंगलों में आग लगने के ज्यादातर कारण मानवीय लापरवाही के हैं। भयंकर दावानल पर काबू पाना लगभग नामुमकिन है। अलबत्ता सामाजिक तौर पर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है, ताकि जंगलों में आग न लगाई जाए। वनों के लगातार जलने से इस धरा पर समस्त प्राणियों का जीवन असम्भव हो जाएगा। वनाग्नि से अमूल्य वन सम्पदा व जंगली जीवों तथा पक्षियों के जलने का दर्द समझना होगा। प्राचीन भारत के अनुसंधान का केन्द्र रहे वन्य क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य का सबसे बड़ा रक्षा कवच हैं। भारतीय संस्कृति में अनादिकाल से वनों का आध्यात्मिक, आर्थिक एंव सांस्कृतिक महत्व रहा है। वैदिक साहित्य के रचयिता हमारे मनीषियों के चितंन, ध्यान साधना, अध्यात्म, दर्शन व शोध का केन्द्र वन्य क्षेत्र ही रहे हैं। आधुनिक दौर के पर्यावरण संरक्षण के आयोजनों व मंत्रालयों के बिना प्रकृति को सहेजने के कई उत्सव व संस्कार प्राचीन भारत की वैदिक संस्कृति व सामाजिक परिवेश में मौजूद थे।

ईश्वर और सत्य

चिंतन-मनन

इस वजह से उनकी बौखलाहट सही थी। किंतु बंगलावासी द्वारा जो हिंदू जाति का प्रमुख पत्र था, विरोध करना समझ से बाहर था। वास्तव में बंगलावासी के संपादक स्वामी जी के उदार दृष्टिकोण और हिंदू धर्म का चौके-चूल्हे की सीमा से बाहर निकालने की घोषणा के तत्त्व को आत्मसात नहीं कर सके थे। वे चिंता के कारण विपक्ष में जा खड़े हुए थे। इस निंदा प्रचार का वराह नगर मठ में स्वामी जी के गुरु भाइयों पर यद्यपि कोई प्रभाव नहीं पड़ा, किंतु मद्रास और देश के अन्य भागों में फैले हुए उनके श्रद्धालुओं और शिष्यों में कुछ बेचैनी अवश्य फैली। स्वामी जी के लिए तो निंदा स्मृति एक समान थी। फिर शिष्यों श्रद्धालुओं के पथ प्रदर्शन के लिए उन्होंने एक खत लिखने की जरूरत समझी। अपने पत्र में उन्होंने लिखा मुझे हैरत है कि आप लोग ईसाई धर्म प्रचारकों द्वारा प्रचारित झूठी और छलपूर्ण बातों को सुनकर विचलित हो गए। अगर कोई मुझे चौके- चूल्हे मात्र को हिंदू धर्म की सीमा मानने की बिना मांगे सलाह देते हैं, तो उन्हें चाहिए कि वे एक ब्राह्मण रसोइया यहां भेजने का कष्ट करें। मैं किसी की निंदा करने और शोर मचाने की जरा भी परवाह नहीं करता हूं। मैं अपने लक्ष्य से भली प्रकार परिचित हूं। मैं किसी का भी क्रीत दास नहीं हूं।

अब तो ईश्वर और सत्य ही मात्र मेरे साध्य और अराध्य हैं। रोजाना सुबह लंदन में प्रश्नोत्तर का और तीसरे पहर प्रवचन कार्यक्रम चलने लगा। दिनोंदिन श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी। एक दिन स्थानीय पिकडेली प्रिसेंस हाल में हजार से भी अधिक गणमान्य श्रोताओं के सामने स्वामीजी ने आत्मज्ञान विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया। पाश्चात्य समाज में जहां विज्ञान के नए-नए भविष्यकारों, उद्योग-धंधों तथा सुख-सुविधाओं के कारण भोगवादी विचारों का प्राबल्य था, स्वामी जी ने उनके जीवन की निःसारता का और आत्म जगत की विशिष्टता का ऐसा तर्क समस्त विवेचन किया कि सभी समाचार पत्रों और विद्वमंडली में उनके पांडित्य की चर्चा होने लगी। फिर तो बड़े-बड़े विद्वान उनके उपदेश सुनने के लिए आने लगे। प्रचार समाप्त हो जाने के पश्चात एक दिन मार्गरेट ई. नोबल का स्वामी जी से परिचय हुआ। यह विदुषी महिला एक पाठशाला में अध्यापन कार्य करती थीं।

यही कुमारी मार्गरेट बाद में स्वामी जी की शिष्या बनकर भगिनी निवेदिता के नाम से प्रसिद्ध हुई। वह रोजाना व्याख्यान सुनने आने लगीं। उनकी श्रद्धा और निष्ठा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी। वह दिल ही दिल में स्वामी जी को अपना गुरु मानती थीं। फिर भी विधिवत शिष्या बनने का विचार उन्होंने स्थगित रखा और अपने गुरु का और भी बारीकी से निरीक्षण करने लगीं। अमरीका में वेदांत प्रचार के कार्य का प्रचार हो रहा था।

वहां के भक्त शिष्य और कार्यकर्ता स्वामी जी की वहां उपस्थिति की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वे बार-बार स्वामी जी को पत्रों के जरिए अमरीका लौट आने को कह रहे थे। इधर लंदन के लोग उन्हें किसी भी हालत में जाने नहीं देना चाहते थे। स्वामी जी ने गर्मियों में लंदन लौट आने की तसल्ली देकर अमरीका जाने का इरादा कर लिया। इन्हीं दिनों स्वामी जी की सभाओं में से कई बार कोई सच्ची लेकिन कड़वी बात सुनकर कुछ लोग उठकर चले जाते थे। भारत, इंग्लैंड में जिनके अधीन था, वहां इस प्रकार की घटनाएं ज्यादा होती थीं।

आपके पत्र

जरूरी है बुजुर्गों का सम्मान

हर वर्ष 15 जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, भेदभाव और उपेक्षा रोकने के प्रति लोगों को जागरूक करना है। बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार हमारे देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत से देशों में भी हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष रिपोर्ट में सामने आया है कि हमारे देश में बुजुर्ग आबादी बहुत बढ़ेगी। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2046 तक वृद्धि दर 41 प्रतिशत होने का अनुमान है और शायद वर्ष 2050 तक यह आबादी दोगुना हो जाए। बुढ़ापा हर प्राणी को आता है। हमें यह सुनिश्चित बनाना है कि बुजुर्गों का सम्मान अनिवार्य रूप से हो।

-पंकज लाल, रांची

न्यूज फ्लैश

पुलिस कांस्टेबल की नौकरी लगते ही पत्नी पति से मांग रही है तलाक

बेगूसराय, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की एसडीएम ज्योति मौर्य की कहानी की याद बेगूसराय में ताजा होती दिखाई पड़ रही है। इस कहानी में एक मजदूर की पत्नी पुलिस कांस्टेबल बनते ही न सिर्फ सात फेरों के रिश्ते को भूल जाती है बल्कि पति की उस कुबार्नी का भी कोई मोल नहीं रहा जिसकी बदौलत उसने इस मुकाम को हासिल किया है।

कांस्टेबल बनते ही पति को छोड़ाः इस कहानी में नया मोड़ तब आया जब पत्नी अपने रिश्तेदारों के साथ दो चमचमाती गाड़ी से अपने ससुराल पहुंची। इस दौरान पुलिस वाली पत्नी अपने पति को दो टूक शब्दों में यह कहती है कि अब वो उसके साथ नहीं रहना चाहती है और उससे तलाक लेना चाहती है।

पति का क्या कहना हैः इतना ही नहीं वो शादी के वक्त मिले सामान को भी वापस ले जाना चाहती है। पिता भाई और अन्य दूसरे रिश्तेदार के साथ पहुंची पत्नी के इस फैसले को सुनकर पति अवाक और सन्न रह गया। पति का कहना है कि वह पत्नी के साथ रहना चाहता है और काफी मान मनौवल कर रहा है लेकिन उसका पत्नी पर कोई असर नहीं हो रहा।

गाड़ी में पहुंची पत्नी तो पति ने रोका रास्ताः यह पूरा मामला तब प्रकाश में आया जब पत्नी के मायके वाले दहेज में दिया हुआ सारा सामान वापस लेने आए। हाई वोल्टेज ड्रामे के दौरान गांव के लोग और ससुराल के लोग पत्नी को जाने से रोकने लगे और उसकी गाड़ी के सामने खड़े हो गए। जिसके बाद गांव के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पति किसी भी कीमत पर पत्नी को नहीं जाने देने की जिद पर अड़ा रहा।

पुलिस ने ऐसे सुलझाया मामलाः जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और दोनों को थाने ले गई। पुलिस के द्वारा दोनों को कोर्ट द्वारा मामला सुलझाने की सलाह दी गई और किसी तरह से पूरा मामला शांत हुआ।पूरा मामला बखरी थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

शादी के हो गए 11 सालः दोनों की शादी 13 जून 2013 को हुई थी। शादी के वक्त लड़की मैट्रिक पास की थी। शादी के बाद पत्नी के पढ़ने की इच्छा पर पति उसे आगे पढ़ाने के लिए राजी हो गया। पति मजदूरी कर पत्नी को पढ़ाने लगा और पत्नी ने इंटर पास की।

बहन के मोबाइल से पति को किया था फोनः साल 2022 में पत्नी की नौकरी बिहार पुलिस में कांस्टेबल के रूप में लग गई। इसके बाद भी सब कुछ ठीक ठाक चलता रहा। पति मुंडन संस्कार के दौरान कई दिन ससुराल रहकर भी आया, लेकिन कुछ महीने पहले से ही पत्नी के व्यवहार में परिवर्तन होने लगा और एक दिन पत्नी ने अपने बहन के फोन से उल्टा सीधा बोलते हुए उसके साथ नहीं रहने की बात कही।

पॉलिटेक्निक के प्रत्येक सेमेस्टर में होगा टेकफेस्ट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

अब राजकीय पॉलिटेक्निक में प्रत्येक सेमेस्टर में टेक फेस्ट का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी ब्रांच के छात्र-छात्राओं की सहभागिता होगी। विद्यार्थियों में नवाचार व शोध की प्रवृत्ति विकसित करने के उद्देश्य से विभाग ने यह निर्देश दिये हैं। इसके बाद कॉलेजों में इस संबंध में तैयारी शुरू हो गयी है। सत्र 2024-25 में होनेवाले नामांकन के साथ ही इसे लागू कर दिया जाएगा। इस वर्ष अक्टूबर में टेक्निकल फेस्टिवल का आयोजन प्रस्तावित है। टेकफेस्ट से पहले विद्यार्थियों को यह जिम्मा दिया जाएगा कि वे समाज व लोगों के जीवन से जुड़ी समस्याओं को एकत्रित करेंगे। इसके बाद अलग-अलग ब्रांच के स्टूडेंट्स एक साथ आकर इसका निदान करते हुए प्रोजेक्ट तैयार करेंगे। समस्या की खोज, समाधान से लेकर तकनीकी सपोर्ट व अन्य गतिविधियों को लेकर समूह का निर्माण किया जाएगा। कम से कम तीन व अधिकतम पांच विद्यार्थियों को समूह में शामिल किया जाएगा। इसमें संस्थान के शिक्षक मेंटर की भूमिका में रहेंगे और नियमित विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट विकसित करने में सहयोग करेंगे। टेकफेस्ट में विभाग से जुड़े पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। निर्णायक मंडल से चयनित होनेवाले प्रोजेक्ट को चयनित किया जाएगा। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक नयाटोला के प्राचार्य डॉ केके सिंह ने बताया कि अब प्रत्येक सेमेस्टर में संस्थान में टेक फेस्ट होगा। इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। इससे विद्यार्थियों में शोध व इनोवेशन के प्रति जागरूकता आएगी।

झूठी नौकरी के नाम पर बनाया शारीरिक संबंध

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

कहानी भले रील वाली लगेगी लेकिन है रीयल। जिसमें झूठी नौकरी है, सेक्स है और फिर धोखेबाजी है। मुजफ्फरपुर में झूठी नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे अय्याशी के गंदे खेल का शिकार हुई पीड़िता को जब सच्चाई का अहसास हुआ तो वो इंसाफ के लिए अदालत के दरवाजे पर पहुंची, जिस्के बाद बड़ी मुश्किल से पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ऋफ दर्ज की है।

डीबीआर कंपनी बनाकर धोखाः अय्याशी करनेवालों ने बकायदा एक कंपनी खोल रखी है, जिसमें नौकरी के नाम पर बेराजगार युवक-युवतियों को बुलाया जाता है और फिर लालच में फंसाकर उनका यौन शोषण किया जाता है। सारण जिले के मशरक थाना इलाके की रहनेवाली 23 साल की युवती भी नौकरी के झांसे में आ गयी और बन गयी इस गैंग का शिकार।

धोखे की कहानी, पीड़िता की जुबानीः 23 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि ₹मूल रूप से सिवान के मैरवा थाना इलाके के रहनेवाले एक शख्स से उसकी दोस्ती फेसबुक के जरिए हुई। कुछ दिनों बाद उस शख्स ने उसे जॉब ऑफर किया, जिसके लिए वो मुजफ्फरपुर आ गयी। सैलरी 25 हजार रुपये बताई गयी। रूम और मेस के लिए 20 हजार रुपये भी जमा करा लिए। कुछ दिनों के लिए एक सेंटर पर भेजा भी गया। इसके बाद बखरी स्थित कंपनी में बुलाया गया। वहां 500 से अधिक युवक और युवतियां पहले से थीं।₹

'मारपीट कर भगा दिया': पीड़िता के मुताबिक नकली शादी के बाद तिलक सिंह अपने रूम पर पत्नी के रूप में रख कर यौन शोषण करता रहा। मायके चलने के लिए कहने पर बहलाने-फुसलाने लगता था। जिद करने पर 26 दिसंबर 2023 को पटना ऑफिस बुलाया गया। वहां सभी आरोपियों ने मारपीट की और मोबाइल से शादी वाली सभी तस्वीर और वीडियो डिलीट कर दिया गया। मोबाइल, सिम और मेमोरी को भी नष्ट कर दिया।

कंपनी की आड़ में यौन शोषणः पीड़िता ने बताया कि ₹मारपीट के बाद तिलक सिंह ने उसे पटना से लाकर मुजफ्फरपुर के बैरिया बस स्टैंड छोड़ दिया। धमकी दी कि कंप्लेन करने पर भाई समेत पूरे परिवार को लापता कर देंगे। पीड़िता ने बताया कि "कंपनी की आड़ में बेरोजगार युवक-युवतियों को फंसाया जाता है। उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है। युवतियों का यौन शोषण किया जाता है। कंपनी के गुर्गे अवैध हथियारों का इस्तेमाल भी करते हैं। हथियारों को पटना के बख्तियारपुर में छिपा कर रखते हैं। पुलिस ने एफआईआर नहीं दर्ज कीः पीड़िता ने बताया कि जब मैं शिकायत लेकर थाने गई तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बदले कहा कि थाने से कुछ नहीं होगा। कोर्ट में जाओ। जिसके बाद पीड़िता ने कोर्ट में परिवाद दायर किया। इसके बाद भी अहियापुर थाने में 156 (3) में एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद पीड़िता ने दुबारा कोर्ट की शरण ली। तब जाकर कोर्ट के निदेशार्नुसार अहियापुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। बोलने से बच रही है पुलिसः पीड़िता ने ऋफ में कंपनी के को आरोपी बनाया है। एफआईआर पहले क्यों नहीं की गयी इसको लेकर पुलिस कुछ बोलने से बच रही है। मामले में टाउन एसडीपीओ-2 बिनीता सिन्हा ने कहा कि एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पहले के परिवाद के आधार पर ऋफ क्यों नहीं की गई, इसकी जांच भी की जाएगी।

साइकिल के लिए 400 रुपये से लगेगी बोली

भागलपुर, एजेंसी

शराब के साथ पकड़ी गयी गाड़ियों की नीलामी कर उत्पाद विभाग सरकारी खजाने को भरेगा। नीलामी की तारीख घोषित कर दी गयी है। यह 26 जून को खरमनचक स्थित सहायक आयुक्त मद्यनिषेध कार्यालय, भागलपुर में की जायेगी। किसी कारणवश अगर उक्त तिथि को नीलामी नहीं हुई, तो उसके अगले कार्य दिवस पर नीलामी की जायेगी। सर्वाधिक बोली वाले ही नीलाम वाहन के खरीदार होंगे। जहां है, जैसे है के रूप में नीलामी की प्रक्रिया अपनायी जायेगी। इधर, इस बार नीलामी की सूची में आधा दर्जन से ज्यादा साइकिल भी है और इसके लिए सुरक्षित जमा राशि 400 रुपये रखी गयी है। यानी, 400 रुपये से बोली लगनी शुरू होगी और सर्वाधिक बोली लगाने वाले को मोटर साइकिल मिलेगी।

ललन सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

पटना, सूत्रकार

जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह से आज मुलाकात की है। ललन सिंह की ओर से मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है। अमित शाह से मुलाकात से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी ललन सिंह ने मुलाकात की है। इसके अलावा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी उनकी मुलाकात हुई है।

पदभार संभालने के बाद कर रहे हैं मुलाकात : दरअसल, ललन सिंह को इस बार केंद्र में मंत्री बनने का मौका मिला है। नरेंद्र मोदी की सरकार में उन्हें पंचायती राज के साथ-साथ पशुपालन विभाग और डेयरी का मंत्रालय दिया गया है। ललन सिंह मंत्रालय का काम काज संभालने के बाद सभी वरिष्ठ मंत्रियों से एक-एक कर मुलाकात कर रहे हैं।

गिला शिकवा दूर करने की कोशिश : इस बार केंद्र में बीजेपी को अपने दम पर बहुमत नहीं मिली है। इसलिए जेडीयू भी सरकार में शामिल है, उसे दो मंत्री पद दिया गया है। अब ललन सिंह मंत्री बनने के बाद बीजेपी के वरिष्ठ मंत्रियों से एक-एक कर मुलाकात कर रहे हैं। जिनके खिलाफ ललन सिंह महागठबंधन में जब नीतीश कुमार गए थे तब लगातार तीखा हमला करते थे। इन मुलाकातों के माध्यम से ललन सिंह उन गिला शिकवा दूर करने में लगे हैं।

उपाध्यक्ष पद पर तो बातचीत नहीं : कहा जाता है कि जब दो बड़े नेताओं की बाततीच होती है तो उसमें राजनीतिक बात भी होती है। कयास लगाया जा रहा है कि हो सकता है ललन सिंह अपनी पार्टी जेडीयू से लोकसभा में उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहे हों। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

जदयू से केन्द्र में दो मंत्री : 2019 में ललन सिंह केंद्र में मंत्री बनना चाहते थे, लेकिन मौका नहीं मिला। इसके कारण आरसीपी सिंह से उनका विवाद भी हुआ। विवाद के बाद आरसीपी सिंह को जेडीयू छोड़ना पड़ा। ललन सिंह इस बार भी मुंगेर से लोकसभा का चुनाव जीते हैं। उसके बाद नीतीश कुमार ने उन्हें केंद्र में मंत्री बनने का मौका दिया है। ललन सिंह के साथ कपूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर भी केंद्र में जदयू की तरफ से मंत्री बने हैं।

2019 में भी जेडीयू की तरफ से है दो मंत्री पद मांगा गया था, लेकिन बीजेपी ने सांकेतिक तौर पर जेडीयू को सरकार में शामिल होने के लिए एक पद ऑफर किया था। पहले तो जेडीयू ने सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया था लेकिन बाद में जब मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ तब आरसीपी सिंह मंत्री बने थे।

ट्रक से भारी मात्रा में प्रतिबंधित खैर की लकड़ी बरामद, 2 तस्कर गिरफ्तार

कैमूर, एजेंसी

बिहार के कैमूर जिले की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, जिसमें एक ट्रक से भारी मात्रा में प्रतिबंधित खैर की लकड़ी को बरामद किया गया है। बताया जा रहा कि लकड़ी की अवैध तस्करी की जा रही थी। ट्रक के साथ लकड़ी को जब्त करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, पुलिस द्वारा कार्रवाई कर इस मामले को वन विभाग को सौंप दिया गया है।

गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाईः इधर, मोहनिया डीएसपी दिलीप कुमार ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध रूप से चंदन की लकड़ी की तस्करी की जा रही है। इसके आधार पर कैमूर एसपी साहब के निर्देश पर मेरे नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें मोहनिया और दुर्गावती थाने के पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। हमने एनएच 2 पर ट्रक नंबर ल्फ45इ0220 को रोककर जांच किया तो तस्करों द्वारा कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया।

जांच करने पर ट्रक से भारी संख्या में अवैध रूप से तस्करी की जा रही खैर की लकड़ी मिली, जिसकी कीमत मार्केट में लाखों में है।

बेतहाशा गर्मी से अगले दो दिन बंद रहेंगे स्कूल, निर्देश जारी

पटना, एजेंसी

बिहार में बढ़ती तपिश और गर्मी को देखते हुए पटना जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने 19 जून तक स्कूलों को बंद रखने का निर्देश जारी किया है। इस आदेश के तहत पटना जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के कक्षा 8 तक के शैक्षणिक गतिविधि पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं इस अवधि में विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी विद्यालय कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे।

पटना में गर्मी के चलते स्कूल 19 तक बंद : बता दें कि काफी दिनों से बिहार में काफी तपिश भरी गर्मी बढ़ी हुई है। वहीं पिछले 10 जून को काफी गर्मी थी और कई स्कूली बच्चे और शिक्षक भी गर्मी के कारण बेहोश हो गए थे। इसके बाद 11 जून से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा एक आदेश जारी किया गया था, जिसमें 17 जून तक स्कूल बंद करने के निर्देश दिए गए थे।

पटना जिलाधिकारी ने जारी किया आदेश : इसके बाद 18 जून से स्कूल खुलना था, लेकिन अभी भी गर्मी काफी ज्यादा है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक रेड अलर्ट जारी किया है। जिसको देखते हुए पटना जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक के द्वारा आज एक आदेश जारी किया गया है। जिसमें साफ तौर से लिखा गया है कि "कक्षा आठ तक के सभी शैक्षणिक निजी एवं सरकारी संस्थान 19 जून तक बंद रहेंगे। वहीं शिक्षक और कर्मी अपने स्कूली कार्यों का निष्पादन करेंगे।"

गर्मी में सावधानी बरतें : गौरतलब है कि बिहार में आज सोमवार को लगातार 11 में दिन हीट वेव जारी है। बारिश की अगले 48 घंटे में कोई स्थिति भी नहीं बन रही है। मौसम विभाग ने भी कह दिया है कि अगले तीन दिनों तक तापमान में विशेष परिवर्तन के कोई आसार नहीं है। बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

20 जून से खुलेंगे विद्यालय : ऐसे में पटना जिला प्रशासन ने बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए स्कूलों के शैक्षणिक गतिविधि को 19 जून तक बंद किया है। मौसम की स्थिति अनुकूल रही तो 20 जून से विद्यालय खुलेंगे अन्यथा शैक्षणिक कार्य बंद रहने की अवधि को और आगे बढ़ाया भी जा सकता है।

मुजफ्फरपुर में मनाया गया बलिदान-कुर्बानी का पर्व बकरीद

शहर के ईदगाह और मस्जिदों में सुबह से ही बढ़ने लगी थी भीड़

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

देशभर में त्याग, बलिदान और कुबार्नी का पर्व ईद उल अजहा (बकरीद) सोमवार को मनाया गया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में भी इस्की तैयारी मुकम्मल कर ली गई थी। सोमवार को हर ईदगाह और मस्जिदें सजी हुई दिख रही हैं। ईद उल अजहा की दो रिकत वाजिब नमाज के वक्त का ऐलान किया गया था। नमाज के बाद बकरे की कुबार्नी दी गई। अल्लाह को कुबार्नी पसंद है। वहीं, इससे पहले शहर के बकरा बाजार में भी भीड़ उमड़ी रही। तेल और गर्म मसाला की दुकान पर भी खरीदार जमे रहे। सेवई और मेवा की भी खूब ब्रिकी हुई।

बकरीद का मुख्य मकसद कुबार्नीः वहीं, बकरीद पर मौलाना मो। इमामुद्दीन अली अहमद ने कहा कि बकरीद का पर्व मुसलमानों के लिए बड़ी आजमाइश है। कुबार्नी का मुख्य मकसद यह है कि अल्लाह की राह में जाने के लिए और इंसानियत के लिए अपने जान-माल को कुर्बान करो। मौलाना ने बताया कि ईद उल अजहा की नमाज अदा करने के लिए निकलें तो रास्ते में खास तस्बीह पढ़ना ना भूलें।

सुबह 6 बजे से नमाज अदा की गईः इस साल अधिकांश मस्जिद और ईदगाहों में सुबह 6 बजे से 7.30 बजे तक ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई। वहीं कमरा मोहल्ला शिया मस्जिद में सुबह 9.30 बजे और ब्रह्मपुरा शिया मस्जिद में 10 बजे ईद उल अजहा की नमाज पढ़े जाने का ऐलान किया गया है।

106 जगहों पर तैनात किए गए मजिस्ट्रेटः डीएम व सिटी एसपी ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले में 106 चौक-चौराहों पर बकरीद को लेकर दंडाधिकारी व पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई है। इसके अलावा गश्ती दल भी विधि व्यवस्था पर नजर रखेंगे। 1100 पुलिस जवान और 150 पुलिस अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है।

सोशल मीडिया पर ऑनलाइन पेट्रोलिंगः पुलिस सर्विलांस सेल और डीआईयू के एक्सपर्ट विशेष एप के जरिए सोशल मीडिया पर पेट्रोलिंग कर रही है। आपत्तिजनक पोस्ट या प्रतिबंधित तस्वीरों को पोस्ट करते ही पुलिस टीम सक्रिय हो जाएगी। पोस्ट डालने वाले लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की जाएगी।

श्रेया हत्याकांडः मौत के चार दिन बाद भी प्रदर्शन जारी

औरंगाबाद, एजेंसी

औरंगाबाद के नवीनगर में 11वीं की छात्रा श्रेया कुमारी की मौत के विरोध में आंदोलन का दौर जारी है। सोमवार की सुबह शहर के क्षत्रिय नगर मोड़ पर युवाओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने एनएच 19 को जाम कर आगजनी की। सड़क के बीचोबीच टायर जलाकर आवागमन को बाधित कर दिया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। श्रेया का पोस्टर टांगकर बीच सड़क पर ही श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि श्रेया की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है और इसे छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। जब तक श्रेया को न्याय नहीं मिल जाता तब तक वे चुप बैठने वाले नहीं है। पुलिस तीन लोगों को पकड़कर वाहवाही लूट रही है। जब तक इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी नहीं हो जाता वे शांत नहीं रहेंगे।

इधर जानकारी मिली कि लगभग डेढ़ से दो घंटे तक प्रदर्शनकारियों की वजह से हाइवे जाम रहा। कड़ी धूप व लू के बीच यात्री फंसे रहे। हालांकि कुछ लोगों ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया,तब यात्रियों को जाम से मुक्ति मिली।

इधर, श्रेया की मौत के विरोध में नवीनगर प्रखंड का बरियावां बाजार भी बंद रहा। स्थानीय युवाओं ने न्यायिक जांच की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकाला। बरियावां से इंटवा मोड़ होते हुए गैस एजेंसी तक कैंडल मार्च निकालकर श्रेया को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सैकड़ों लोग मौजूद थे। बरियावां के मुखिया पति विजय प्रताप सिंह की मौजूदगी में युवाओं ने कहा कि प्रशासन को श्रेया मामले की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।

सीपीआई कार्यकर्ताओं ने श्रेया कांड की घोर निंदा की है। सीपीआई के पूर्व जिला मंत्री जगनारायण सिंह विकल एवं अंचल मंत्री अधिवक्ता चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि श्रेया हत्या कांड में पुलिस की रवैया असंतोषजनक है। पुलिस हत्या कांड का पर्दाफाश करने में आखिर देर क्यों कर रही है। इससे स्पष्ट हो रहा है कि पुलिस की मंशा नाकारात्मक है। सीपीआई कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही घटना की जांच डीआईजी से कराने की मांग की है।

बिहार के डिप्टी सीएम ने अपराधियों को दी चेतावनी

सुधरेगा या फिर परलोक सिधारेगा

पटना, एजेंसी

बिहार में अपराधी अगर नहीं सुधरे तो उन्हें परलोक भेज दिया जाएगा। सीएम नीतीश कुमार के पहले कार्यकाल 2005 से 2010 की सरकार की तरह फिर से अपराध पर नियंत्रण के लिए अपराधियों पर कार्रवाई की जाएगी। यह बात उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने लखीसराय में कही।

डिप्टी सीएम ने अपराधियों के साथ भ्रष्ट अधिकारियों को भी चेतावनी दी है। डिप्टी सीएम ने कहा कि बालू, शराब और भू-माफियाओं को पनाह देने वाले भ्रष्ट अधिकारियों की भी पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अधिकारी सरकार को बदनाम करने का काम करते हैं। भ्रष्ट अधिकारी नहीं बख्शे जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार से कमाई करने वाले अधिकारियों की संपत्ति जब्त की जाएगी। सभी जिलों में एसटीएफ का गठन किया जाएगा। ताकि जिले में कानून व्यवस्था बनी रहे। डिप्टी सीएम ने कहा कि हर हाल में बिहार से गुंडों और माफियाओं का सफाया कर दिया जाएगा। इसके लिए सरकार की तरफ से अपराधियों के खिलाफ लड़ाई शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि कोई भी इस कार्रवाई से नहीं बच सकता, चाहे वो किसी राजनीतिक दल के संरक्षण में ही क्यों ने हो। डिप्टी सीएम ने बालू की कालाबाजारी करने वाले बालू माफियाओं के विरुद्ध भी कार्रवाई करने की बात कही है।

पीएम नरेंद्र मोदी का अलग व्यक्तित्व आया दुनिया के सामने : जीतन राम मांझी

पटना, एजेंसी

यह भारत का सौभाग्य है कि पीएम नरेंद्र मोदी जी-7 की बैठक में गए। भारत हर अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लेता है। इससे पहले उन्होंने जी-20 बैठक की अध्यक्षता भी की थी। उनका अलग व्यक्तित्व पूरी दुनिया में उभर कर सामने आया है। वे जी-7 की बैठक में गए, जिसके लिए हम भी उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। जी-7 की बैठक से काफी उम्मीदें हैं। ये बातें केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गया पहुंचने पर एक विशेष मुलाकात के दौरान कही।

पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी के साथ बढ़ रहे आगे

मांझी ने कहा कि एनडीए को काम करने का मौका मिला है। पिछले दो टर्म में जो काम प्रधानमंत्री जी ने देश के लिए किया है। इस बार उससे भी बढ़कर काम होगा। नरेंद्र मोदी जी का जो गारंटी है, उस गारंटी के साथ आगे बढ़ रहे हैं, ताकि 2024-2029 में भारत तीसरी अर्थव्यवस्था शक्ति के रूप में उभरे। हर तरह का विकास होगा। ह्यउनका सबका साथ, सबका विकासह्न का नारा धरातल पर उतर रहा है और बाकी है, सो उतरेगा।

अगले चुनाव में डेढ़ गुना, दोगुना सीट लेकर आयेंगे

पिछले दिनों इंद्रेश जी के दिये भाषण पर पूछे गये सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा नरसिम्हा राव की सरकार अल्पमत की सरकार थी, वह भी पांच साल चली थी। यह तो अल्पमत की सरकार नहीं। पूरी बहुमत के साथ आये हैं। जो कहता है, वह मनोरंजन के लिए कहता है। निश्चित तौर पर पांच साल पूरा करेंगे। अगले चुनाव में इससे डेढ़ गुना, दोगुना सीट लेकर आयेंगे। भगवान राम ने काम करने का मौका दिया है और करके दिखायेंगे।

तेजस्वी यादव के इस बयान का कि यादवों को गोली मारी जा रही है, के जवाब में कहा ऐसी बात नहीं है। क्रिमिनल को गोली मारी जा रही है। चाहे, वह जिस वर्ग व समुदाय से आते हों। अपराधी की कोई जाति नहीं होती। जो गलती करेगा, उसे सजा मिलेगी।

तेजी से विकास करना है

गया के विकास के सवाल पर कहा 16 अप्रैल को गया के गांधी मैदान में प्रधानमंत्री जी की चुनाव सभी में मैंने गया एयरपोर्ट से कार्गो सेवा शुरू करने, विष्णुपद, मां मंगलागौरी मंदिर व बोधगया को मिलाकर कोरिडोर बनाने की मांग रखी थी। साथ ही फल्गु में सालोंभर पानी रहे, जिसके लिए सोन नदी से इसे जोड़ने की बात कही गयी थी। गया के लिए यह हमारी प्राथमिकता सूची में रहेगी। 2024-2029 तक तेजी से विकास करना है।

मुझे चैलेंजिंग विभाग मिला है

प्रधानमंत्री ने कहा है हर मंत्री, सांसद प्रत्येक 100 दिन का टारगेट बना लें, कि विकास को लेकर क्या करना है। उस पर काम करें। मोदी जी के इस फॉर्मूले पर काम हुआ, तो निश्चित तौर पर देश का चौमुखी विकास होगा। मुझे जो मंत्रालय मिला है। यह रोजगार के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण है। चैलेंजिंग विभाग है। लघु व कुटीर उद्यमिता को बढ़ावा देकर बेरोजगारी को निश्चित तौर पर दूर करना हमारी प्राथमिकता में शामिल होगा।

न्यूज फ्लैश

खनन माफिया हाजी इकबाल लाया जाएगा दुबई से भारत, ईडी ने शुरू की कार्रवाई

लखनऊ, एजेंसी

बसपा का पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल दुबई से भारत लाया जायेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा है, जिसमें एजेंसी ने इकबाल की विदेश यात्राओं के विवरण की मांग करते हुए उसका पासपोर्ट कैंसल करने का अनुरोध किया है। सहारनपुर का मोहम्मद इकबाल खनन माफिया है। ईडी अवैध खनन से कमाई गई काली कमाई की जांच कर रही है। बीते दिनों एजेंसी ने इकबाल की ग्लोबल यूनिवर्सिटी की 4440 करोड़ की कीमत की बिल्डिंग और जमीन कुर्क की थी। 4,440 करोड़ की संपत्ति हुई थी कुर्कः सहारनपुर के रहने वाले खनन माफिया इकबाल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई जारी है। उसके दोनों बेटों की गिरफ्तारी के बाद वह दुबई फरार हो गया था। इसके बाद से ही एजेंसी एक एक कर उसकी सारी संपत्तियों को कुर्क कर रही है। बीते दिनों ईडी ने इकबाल की ग्लोबल यूनिवर्सिटी की 4440 करोड़ की कीमत की बिल्डिंग और जमीन कुर्क की थी। अब एजेंसी ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा है, जिसमें इकबाल के पासपोर्ट को रद्द करने और विदेश यात्राओं को लेकर उसका विवरण मांगा है। इसके अलावा दुबई सरकार से भी उसे भारत भेजने को लेकर पत्राचार किया है। दरअसल, ईडी ने खनन माफिया हाजी इकबाल को कई बार नोटिस देकर तलब किया था। इसके बाद भी वह कोर्ट में पेश नहीं हुआ। इकबाल ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर जानकारी दी, थी कि वह बीमार है और दुबई में उसका इलाज चल रहा है। इतना ही नहीं वह ईडी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपना बयान दर्ज करवाना चाहता है। खनन माफिया का दुबई में भी बड़ा कारोबार है। इकबाल के खिलाफ यूपी विजलेंस विभाग ने भी वर्ष 2022 में आय से अधिक संपत्ति के मामले में ऋक्षक्रदर्ज की थी। इसके अलावा सहारनपुर पुलिस उसके खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी कर चुकी है।

भाजपा ने महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू कश्मीर के लिए राज्य चुनाव प्रभारी नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रभारियों की घोषणा कर दी है। सोमवार को जारी की गई घोषणा में भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू कश्मीर के लिए चुनाव प्रभारियों की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद कयास लगाये जा रहे हैं कि महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा के साथ ही जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव कराये जा सकते हैं। बता दें कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाये जाने के बाद से विधानसभा चुनाव नहीं कराये गये हैं। भाजपा ने पार्टी नेताओं भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव को महाराष्ट्र के लिए राज्य चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किया है। पार्टी नेता धर्मेंद्र प्रधान और बिप्लब कुमार देव को हरियाणा के लिए चुनाव प्रभारी बनाया गया है। वहीं, भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान और हिमंत बिस्वा सरमा झारखंड के लिए पार्टी के चुनाव प्रभारी होंगे। जी किशन रेड्डी को जम्मू और कश्मीर के लिए भाजपा चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

बेकाबू ट्रेलर ने मारी टक्कर, हादसे में 5 की मौत

उदयपुर, एजेंसी

राजस्थान के उदयपुर में एक दर्दनाक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलने के साथ ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां सभी लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया। यह दर्दनाक सड़क हादसा उदयपुर के बेकरिया थाना इलाके में बताया जा रहा है। जानकारी में सामने आया कि तेज रफ्तार ट्रेलर ने आगे चल रहे डंपर को जोरदार टक्कर मार दी जिससे राह चलते लोगों पर डंपर पलट गया। जानकारी के अनुसार ट्रेलर का ब्रेक फेल हो गया था। ट्रेलर ने आगे चल रहे डंपर को टक्कर मार दी। इसके बाद डंपर बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराया और डिवाइडर पर ही चल रहे लोगों पर पलट गया। हादसे में डंपर के ड्राइवर समेत 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। पुलिस मृतकों की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। हादसे की सूचना मिलने पर बेकरिया थानाधिकारी धनपत सिंह टीम मौके पर पहुंचे है। शवों को बेकरिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं हादसे में एक घायल को इलाज के लिए उदयपुर रेफर किया गया है।

पूर्व सीएम येदियुरप्पा सीआईडी के समक्ष पेश हुए

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा सोमवार को पोक्सो मामले में पूछताछ के लिए सीआईडी पुलिस के सामने पेश हुए। पेश होने से पहले उन्होंने कहा कि मैं अब सीआईडी के पास जा रहा हूं। राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। बीएस येदियुरप्पा ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के लोग पहले से ही कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। लोग महंगाई से परेशान हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ाने का राज्य सरकार का फैसला अपराध है। राज्य सरकार को तुरंत अपना फैसला वापस लेना चाहिए। बता दें कि 3 मार्च 2024 को पीड़िता की मां ने अपनी नाबालिग बेटी पर यौन उत्पीड़न के आरोप में सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि येदियुरप्पा ने उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने इस संबंध में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बाद में राज्य सरकार ने मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी। इस शिकायत पर सीआईडी अधिकारियों ने येदियुरप्पा को सुनवाई में उपस्थित होने के लिए दो नोटिस दिए थे लेकिन वे सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए। इस वजह से, सीआईडी अधिकारियों ने शहर की पहली फास्ट ट्रैक कोर्ट में येदियुरप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था। अदालत ने इस पर विचार किया और येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इस बीच येदियुरप्पा ने हाईकोर्ट में अलग से याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज शिकायत और पोक्सो स्पेशल कोर्ट की कार्यवाही को रद्द करने और अग्रिम जमानत की मांग की। याचिका पर सुनवाई करने वाले हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को गिरफ्तार न करने का निर्देश दिया था। इस वजह से पूर्व सीएम को गिरफ्तारी के डर से राहत मिली थी। कोर्ट के निर्देशानुसार आज वे सीआईडी के सामने पेश होकर सुनवाई का सामना करेंगे।

रियासी आतंकी हमलाः गृह मंत्रालय ने जांच के लिए मामला एनआईए को सौंपा

नई दिल्ली, एजेंसी

गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में हुए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बता दें कि बीती 9 जून की शाम तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर आतंकी हमला हुआ था। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में आतंकी हमले के बाद तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस खाई में गिर गई, जिसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य लोग घायल हो गए थे। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 15 जून को जम्मू-कश्मीर पुलिस से इस आतंकवादी हमले की जांच अपने हाथ में ली। एनआईए ने गृह मंत्रालय के आदेश के बाद एक नई प्राथमिकी दर्ज की है और जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी इस आतंकी हमले की हर पहलू से जांच कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि घटना के पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं है।

मणिपुर को लेकर अमित शाह ने की उच्च स्तरीय बैठक

उत्तर-पूर्वी राज्य की स्थितियों के बारे में दी गई जानकारी

नयी दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार (17 जून) को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए गृह मंत्रालय (एमएचए) में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, इंटेलिजेंस ब्यूरो प्रमुख तपन डेका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, सेना प्रमुख (नामित) लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, जीओसी थ्री कोर एचएस साही, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव बैठक में सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर मौजूद थे। बैठक में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह मौजूद नहीं थे। यह बैठक मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके द्वारा अपने कार्यालय में गृह मंत्री से मुलाकात के एक दिन बाद हुई है और उन्हें उत्तर-पूर्वी राज्य की स्थितियों के बारे में जानकारी दी गई है। यह बैठक गृह मंत्रालय में आयोजित की गई क्योंकि उत्तरी राज्य में ताजा हिंसा की सूचना मिली थी। पिछले साल 3 मई से, मणिपुर में दो समुदायों कुकी और मेइतेई के बीच झड़पें देखी गई हैं, जिसमें अब तक कम से कम 225 लोगों की जान चली गई है और लगभग 50,000 लोग विस्थापित हो गए हैं, जिनमें से कई अभी भी राहत केंद्रों में रह रहे हैं। पूर्वोत्तर राज्य में पिछले कुछ हफ्तों में ताजा हिंसा देखी गई है, जिसमें मोरेह के पास एक स्कूल की इमारत में आग लगा दी गई और एक लापता व्यक्ति का सिर कटा शव मिला। पिछले हफ्ते, सशस्त्र उग्रवादियों ने कांगपोकपी जिले में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की उन्नत सुरक्षा टीम के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें एक नागरिक चालक और एक सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए। 10 जून को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि मणिपुर एक साल से शांति का इंतजार कर रहा है और इस मुद्दे को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भागवत ने चुनावी बयानबाजी से उबरने और देश के सामने आने वाली समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर दिया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब आधे घंटे तक गुल रही बिजली

बोर्डिंग-चेक इन में देरी से यात्री परेशान

दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को अचानक से कुछ देर के लिए बिजली गुल हो जाने से हंगामा मच गया। बताया गया है कि एयरपोर्ट पर करीब 20 से 30 मिनट के लिए बिजली गुल हो गई, जिससे यहां बोर्डिंग से लेकर चेक-इन तक में समस्या पैदा हो गई। इससे यात्री परेशान हो गए। एयरपोर्ट पर यह दिक्कत अचानक क्यों आई, यह अभी साफ नहीं है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से अंधेरा छा गया। साथ ही फ्लाइट ऑपरेशन सहित एयरपोर्ट का पूरा सिस्टम ठप्प हो गया। इतना ही नहीं यात्रियों का पानी सहित जरूरी चीजों की समस्याओं से भी जूझना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, अचानक बिजली जाने से एयरलाइंस चेक इन सिस्टम, सुरक्षा जांच के लिए इस्तेमाल होने वाले डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी), इमीग्रेशन ब्यूरो सिस्टम सहित एयरोब्रिज का ऑपरेशन ठप्प हो गया। कुछ मिनटों के बाद बिजली की आपूर्ति को बहाल कर दिया गया, लेकिन इन सिस्टम को दोबारा रिस्टार्ट होने में काफी समय लग गया। गौरव कुमार नाम के एक यूजर ने एक्स पर पोस्ट में बताया कि बिजली जाने से बोर्डिंग और चेक-इन में समस्या आ रही है। बीते 30 मिनट से आईजीआई पर पावर कट हुआ है। इससे दिल्ली एयरपोर्ट में बोर्डिंग पर प्रभाव पड़ा है।

मनीष तिवारी का कानून मंत्री पर साधा निशाना, कहा

कानूनों से संसद पूर्ण रूप से सहमत नहीं थी

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत में एक जुलाई 2024 से तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता भारत सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होने जा रहे हैं। इसे लेकर विपक्ष ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी का कहना है कि इन कानूनों से संसद पूर्ण रूप से सहमत नहीं थी और रिकॉर्ड 146 विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित करने के बाद इन्हें पारित किया गया था। तिवारी ने कहा कि ये नए कानून संसद के सामूहिक ज्ञान को प्रदर्शित नहीं करते। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय कानून मंत्री सच को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि तीन कानूनों का कार्यान्वयन करना भारत की कानूनी प्रणाली को चोट पहुंचाने के समान होगा। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा ह्यकानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सच्चाई को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित करने के बाद संसद में तीन नए आपराधिक कानून मनमाने ढंग से पारित किए गए। ये तीन कानून संसद के सिर्फ एक वर्ग की इच्छा को दशार्ते हैं। ये कानून संसद के सामूहिक ज्ञान को प्रतिबिंबित नहीं करते। मनीष तिवारी ने कहा कि गृह मामलों की स्थायी संसदीय समिति के विद्वान सदस्यों द्वारा इन कानूनों पर असहमति व्यक्त की गई थी। इसके बाद भी उनके विचारों पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि एक जुलाई से इन कानूनों का कार्यान्वयन भारत की कानूनी व्यवस्था में बाधा डालने के समान होगा। कांग्रेस नेता ने तीनों कानूनों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि इन कानूनों में शामिल कुछ प्रावधान नागरिक स्वतंत्रता पर हमले की तरह हैं। बता दें कि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बीते रविवार को कहा था कि एक जुलाई 2024 से भारत में नए आपराधिक कानून लागू होंगे।

ईवीएम हैक के दावों पर बोले मुख्तार अब्बास नकवी

ईवीएम कई अग्निपरीक्षाओं से गुजर चुकी है और इसमें सफल भी रही

नयी दिल्ली, एजेंसी

ईवीएम हैक के दावों पर बोलते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि ईवीएम कई अग्निपरीक्षाओं से गुजर चुकी है और इसमें सफल रही है। बीजेपी नेता नकवी ने कहा कि हमें ईवीएम को भगवान या दानव नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि ईवीएम कई अग्निपरीक्षाओं से गुजर चुकी है और इसमें सफल रही है। पहले लोग इस पर राष्ट्रीय स्तर पर हमला करते थे और अब कुछ अंतर्राष्ट्रीय कॉन्ट्रैक्ट किलर इसके खिलाफ खड़े हो गए हैं। भारत में हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था कि ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) को हैक किया जा सकता है। इस बीच एक्स पर एक पोस्ट में एलन मस्क ने कहा था कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए। मनुष्यों या एआई द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है।र पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एलन मस्क की ईवीएम की आलोचना पर पलटवार किया और उनपर चीजों का सामान्यीकरण करने का आरोप लगाया। इसके जवाब में टेस्ला प्रमुख ने जवाब दिया कि कुछ भी हैक किया जा सकता है।

मस्क ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि में ईवीएम का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। मुनष्यों या कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिए इनके हैक होने का भले ही कम, लेकिन बड़ा जोखिम है। इसके साथ ही उन्होंने रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर का एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने प्यूर्टो रिको के प्राइमरी चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से संबंधित सैकड़ों मतदान अनियमितताओं के बारे में मीडिया में आई खबरों का हवाला दिया था। विश्व विख्यात कंपनी टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) द्वारा ईवीएम की आलोचना किए जाने का जवाब देते हुए, भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कहा, ह्यह्ययह चीजों का व्यापक स्तर पर सामान्यीकरण करने वाला बयान है, जिसका अर्थ है कि कोई भी सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर का निर्माण नहीं कर सकता है। ये गलत है। एलन मस्क के विचार अमेरिका और अन्य स्थानों पर लागू हो सकते हैं, जहां वे नियमित तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कंप्यूटर प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर इंटरनेट से जुड़े वोटिंग मशीनों का निर्माण करते हैं। पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने एक्स पर कहा कि लेकिन भारतीय ईवीएम अलग तरीके से डिजाइन की गई हैं और ये सुरक्षित हैं तथा किसी भी नेटवर्क या मीडिया से कनेक्टेड नहीं है। कोई कनेक्टिविटी नहीं, न ब्लूटूथ, न वाईफाई, न इंटरनेट। यानी हैक करने को कोई रास्ता नहीं है। इनमें फैक्टरी प्रोग्राम्ड कंट्रोलर होते हैं, जिन्हें फिर से प्रोग्राम नहीं किया जा सकता है। चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि ईवीएम को सही तरीके से डिजाइन किया जा सकता है, जैसा कि भारत ने किया है। उन्होंने कहा कि में खुशी होगी एलन अगर हम आपको इस बारे में सिखा सकें। इसका जवाब देते हुए मस्क ने कहा कि कुछ भी हैक किया जा सकता है।

रेल हादसा में मोदी सरकार पर बरसे खरगे-राहुल, बोले

केंद्र सरकार के घोर कुप्रबंधन का नतीजा

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को भीषण ट्रेन हादसा हुआ। सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 60 लोग घायल हैं। इस हादसे को लेकर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेताओं ने अनुसार यह केंद्र सरकार के घोर कुप्रबंधन का नतीजा है। खरगे ने इस दुखद हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ितों के परिजनों को तत्काल मुआवजा प्रदान किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार ने रेलवे मंत्रालय में घोर कुप्रबंधन किया है। खरगे ने आगे कहा कि मोदी सरकार ने रेल मंत्रालय को कैमरे से संचालित होने वाले मंच में बदल दिया है। आज का हादसा इस स्याह सच की बानगी पेश करता है। कांग्रेस नेता अपने सवालों पर कायम रहेंगे और भारतीय रेलवे के कुप्रबंधन के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह बनाएंगे। उधर राहुल गांधी ने भी इस हादसे के बाद केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से बीते 10 वर्षों में रेल हादसों में बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से आए दिन लोगों की मौत हो रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा ह्यआज की दुर्घटना इस वास्तविकता का एक और उदाहरण है। एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में, हम इस घोर लापरवाही पर सवाल उठाते रहेंगे और इन दुर्घटनाओं के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराएंगे। कांग्रेस नेता ने इस हादसे पर शोक प्रकट किया।

रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुरक्षा की परवाह नहीं : ममता बनर्जी

उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं है। यहां तक कि रेलवे मंत्रालय को अपने अधिकारियों, इंजीनियरों, कर्मचारियों और श्रमिकों की भी परवाह नहीं है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि वे पूरी तरह से रेलवे कर्मचारियों और रेलवे अधिकारियों के साथ हैं। लेकिन केंद्र सरकार को सिर्फ चुनाव की चिंता है। पश्चिम बंगाल की सीएम ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को इस बात की फिक्र रहती है कि चुनाव में हेरफेर और धांधली कैसे करनी है।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान की पार्टी को चेताया

राष्ट्र विरोधी गतिविधि बंद करें

इस्लामाबाद, एजेंसी

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से राष्ट्र विरोधी गतिविधियां एवं दुष्प्रचार को बंद करने की अपील करते हुए सरकार ने चेतावनी दी है कि वह मित्र देशों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और किसी दूसरे देश से वह निर्देशनहीं लेता। हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद से विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामीकारक अभियान शुरू हो गया है, जिसने पाकिस्तान विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है। मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने दूसरे देशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए लामबंदी करने वालों और जनसंपर्क कंपनियों को काम पर रखा है। इसके साथ ही पार्टी को चेतावनी दी कि सरकार मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर देश विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। खबर में कहा गया है कि प्रवक्ता ने पीटीआई से आग्रह किया कि वह अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार को छोड़ दे तथा वैश्विक मंचों पर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने के बजाय समाधान पर विचार करने के लिए राजनीतिक मुद्दों पर सरकार के साथ बातचीत करे।

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होंगी आधुनिक तकनीक वाली छह पनडुब्बियां

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना स्पेन में प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आई) के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निमार्ता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। भारतीय नौसेना स्पेन में प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आई) के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। नवंतिया के प्रमुख ने कहा कि जून के आखिरी सप्ताह से भारतीय नौसेना काटार्जेना के पोत कारखाने में वायु स्वतंत्र प्रणोदन परीक्षण की शुरुआत करेगी। रिकार्डो डोमिंगुज ने आगे कहा कि इस परीक्षण में उनका साथ लार्सन एंड टर्बो (एल एंड टी) कंपनी देगी। परीक्षण के दौरान भारतीय नौसेना को विश्व स्तर की एआईपी तकनीक की जानकारी दी जाएगी। आगे बताया गया कि भारतीय नौसेना एआईपी तकनीक से सुसज्जित छह पनडुब्बियों का अधिग्रहण करेगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं। भारतीय नौसेना के पास इससे पहले एआईपी सिस्टम वाली पनडुब्बियां नहीं थीं। करीब 60 हजार करोड़ की इस परियोजना में एल एंड टी और नवंतिया के साथ जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत की मझगांव डॉकयाड्र्स लिमिटेड भी शामिल हैं। नवंतिया ने भारतीय नौसेना की परियोजना के लिए एस-80 पनडुब्बी के डिजायन की पेशकश की है। इनमें से एक पनडुब्बी वर्ष 2024 में स्पेनिश नौसेना में शामिल हो चुकी है। नवंतिया ने दावा किया कि र80 की खास बात यह है कि यह बिना किसी पुनर्निमाण की आवश्यकता के पी 75 (आई) की तकनीक आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करती है।

न्यूज फ्लैश

कोच राहुल द्रविड़ ने कनाडा का बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बुधवार को भारत के अंतिम ग्रुप चरण के खेल के बाद कनाडा क्रिकेट टीम और सहयोगी स्टाफ को संबोधित किया करते हुए उनका हौसला बढ़ाया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर बीसीसीआई के द्वारा शेयर किया गया है। इस वीडियो में राहुल कनाडा की टीम के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने टी-20 विश्व कप और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कनाडा के योगदान के लिए टीम की जमकर सराहना का है। राहुल द्रविड़ ने कहा कि आप लोग हम सभी के लिए महान प्रेरणा हैं, इसलिए यदि आप प्रेरणा लेकर आ रहे हैं तो परिणाम मायने नहीं रखता। आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद। सबसे पहले मैं बस इस टूर्नामेंट को बेहतरीन बनाने में आपके द्वारा दिए गए शानदार योगदान को स्वीकार करता हूं और वास्तव में इसकी सराहना करना चाहता हूं। आप लोग हम सभी के लिए एक महान प्रेरणा हैं, यह दिखाने के लिए कि आप वास्तव में खेल से प्यार करते हैं और इस टूर्नामेंट को खेलने, क्वालीफाई करने, यहां आने और इस टूर्नामेंट को बेहतरीन बनाने के लिए आप किस तरह के त्याग करने को तैयार हैं। भारतीय कोच ने आगे कहा कि आप सभी को बधाई और शाबाशी। मैं बस इतना ही कहूंगा कि आगे बढ़ते रहो, आप लोग न केवल दूसरे लोगों को प्रेरित कर रहे हैं, बल्कि आप अपने देशों के सभी युवा लड़कों और लड़कियों को खेल खेलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं और इसलिए यदि आप प्रेरणा लेकर आ रहे हैं तो परिणाम मायने नहीं रखता। मुझे लगता है कि यह विश्व कप के लिए बहुत बढ़िया है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। द्रविड़ ने स्कॉटलैंड में बिताए अपने समय को भी याद किया। द्रविड़ ने स्कॉटलैंड के लिए उनकी राष्ट्रीय क्रिकेट लीग में 11 एक दिवसीय मैच खेले और 2003 में वनडे विश्व कप के ठीक बाद पाकिस्तान की टीम के खिलाफ एक टूर गेम खेला। भारत ग्रुप ए में 7अंकों के साथ टॉप पर रहा है। अब टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 स्टेज में ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और बांग्लादेश का सामना भारत से होगा।

श्रीलंका ने नीदरलैंड पर 83 रनों से जीत दर्ज कर किया

ग्रॉस आइलेट, एजेंसी

श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के अपने आखिरी ग्रुप चरण के मैच में नीदरलैंड्स को 83 रनों से हराकर टी20 विश्व कप से विदा ली है। इस मैच में श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस और चरिथ असलांका ने शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों ने पहले बल्लेबीज करते हुए 46-46 रनों की पारियां खेलीं। इन दोनों के अवला श्रीलंका के लिए धनंजय डी सिल्वा ने 34 और एंजलो मैथ्यूज ने 30 रनों की पारी खेली। जिसकी बदौलत श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 201 रन बनाए। नीदरलैंड के लिए लोगान वान बीक ने 45 रन देकर 2 विकटे हासिल किए। इसके बाद 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम को 16।4 ओवर में 118 रनों पर ऑल आउट कर दिया। नीदरलैंड के लिए माइकल लेविट और स्कॉट एडवर्ड्स ने 31-31 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अवाला कोई भी बल्लेबाज 20 रनों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया।

आरबीआई को मिला रिस्क मैनेजर ऑफ द ईयर अवार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को लंदन स्थित प्रकाशन गृह सेंट्रल बैंकिंग द्वारा वर्ष 2024 का रिस्क मैनेजमेंट ऑवार्ड दिया गया है। आरबीआई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उसे अपनी रिस्क कल्चर और जागरूकता में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधक का पुरस्कार दिया गया। बता दें कि आरबीआई की ओर से कार्यकारी निदेशक मनोरंजन मिश्रा ने यह पुरस्कार ग्रहण किया है। हाल ही में वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के दौरान, आरबीआई ने मौद्रिक नीति के प्रति सतर्क रुख अपनाया। टॉप बैंक ने कई अन्य केंद्रीय बैंकों के विपरीत ब्याज दरों में भारी वृद्धि नहीं की, जिससे भारत में आर्थिक विकास बाधित हो सकता था। हालांकि, इसने मुद्रास्फीति पर कड़ी निगरानी रखते हुए दरों को स्थिर रखते हुए एक स्थिर रुख बनाए रखा। आरबीआई ने पोस्ट कर लिखा कि भारतीय रिजर्व बैंक को सेंट्रल बैंकिंग, लंदन, यूके द्वारा वर्ष 2024 का जोखिम प्रबंधक पुरस्कार दिया गया है। आरबीआई को अपनी जोखिम संस्कृति और जागरूकता में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधक का पुरस्कार दिया गया। आरबीआई की ओर से कार्यकारी निदेशक मनोरंजन मिश्रा ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। आरबीआई ने नए फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट और सर्विस के साथ कंट्रोल एक्सपेरिमेंट की सुविधा के लिए एक विनियामक सैंडबॉक्स स्थापित किया। यह फिनटेक कंपनियों को सीमित वातावरण में अपने इनोवेशन का परीक्षण करने की अनुमति देता है। इससे फ्हकको व्यापक रूप से अपनाने से पहले संभावित जोखिमों का आकलन करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, 7 जून को, आरबीआई ने विदेशी निवेश नियमों में ढील दी और विदेशी प्रतिभूतियों, फंडों और कंपनियों में निवेश करने के इच्छुक धनी भारतीयों, व्यापारिक परिवारों और स्टार्टअप के लिए अस्पष्टता को स्पष्ट किया था।

भारत से सुपर-8 में भिड़ेगा बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में जगह बनाने वाली अंतिम टीम बांग्लादेश बनी है, जिसने ग्रुप ए में भारत, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बाद जगह पाई है। बांग्लादेश ने सोमवार को हुए मुकाबले में नेपाल को 21 रनों से हराकर सुपर-8 में एंट्री मारी है। अब उसका सामना सुपर-8 के भारत से होगा, जहां वो रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम को कड़ी चुनौती देना चाहेगी। भारत बनाम बांग्लादेश का मुकाबला सुपर-8 में 22 जून होगा। ये भारतीय टीम का सुपर-8 का दूसरा मुकाबला होगा। ये मैच एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेला जाएगा। इस मैच में रोहित शर्मा की टक्कर नजमुल हुसैन शांतो से होने वाली है। एंटीगुआ की पिच बल्लेबाजों के लिए शानदार मानी जाती है। ऐसे में इस पिच पर भारतीय बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बटोरते हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही इस पिच पर स्पिनर्स को भी मदद मिलती है। ऐसे में रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव बांग्लादेश के बल्लेबाजों को बैकफुट पर ला सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत का प्रदर्शन ग्रुप स्टेज में शानदार रहा, उनसे 4 में से 3 मैच खेले और तीनों में जीत हासिल की। भारत ने पहले आयरलैंड को 8 विकेट से हराया। इसके बाद पाकिस्तान को 6 रनों से मात दी। तीसरे मैच में यूएसए को 7 विकेट से हाराया और चौथा मैच कनाडा के खिलाफ बारिश की भेंट चढ़ गया। ऐसे में सुपर-8 में भारत का मनोबल काफी ऊंचा होगा। बांग्लादेश की बात करें तो उसका प्रदर्शन ग्रुज स्टेज में भारत के मुकाबले कमजोर रहा है। बांग्लादेश ने 4 मैचों में से 3 मैचों में जीत दर्ज की तो वहीं, उसे 1 मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। अब सुपर-8 में भारत और बांग्लादेश की टक्कर काफी दिलचस्प होने वाली है।

बारबाडोस पहुंची टीम इंडिया ने खेला वॉलीबॉल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में सुपर-8 के अपने आगे के मैच खेलने के लिए फ्लोरिडा से बारबाडोस पहुंच चुकी है। टीम इंडिया अपना पहला मैच 20 जून (गुरुवार) को अफगानिस्तान के खिलाफ बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल ब्रिजटाउन क्रिकेट स्टेडियम में खेलने वाली है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने जमकर एन्जॉय किया है, जिसका वीडियो बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। बीसीसीआई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा कि बारबाडोस में बीच पर एन्जॉय करते हुए टीम इंडिया का खास अंदाज। वीडियो में टीम इंडिया के खिलाड़ी बारबाडोस में समुद्र के किनारे नजर आ रहे हैं, इस दौरान सभी खिलाड़ियों को वॉलीबॉल खेलते हुए देखा जा सकता है। टीम के सभी खिलाड़ी रेत में काफी दम के साथ एन्जॉय करते हुए खेल रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में हार्दिक पांड्या और विराट कोहली एक दूसरे को पास करते हुए नजर आ सकते हैं। इसके बाद गेम में रिंकू सिंह, खलील अहमद और युजवेंद्र चहल अपना योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। संजू सैमसन और शिवम दुबे भी एन्जॉय करते हुए देखे जा सकते हैं। अर्शदीप भी इस दौरान खेलते हुए दिखे। इसके बाद वीडियो में आगे खलील अहमद कहते हैं कि, हमारी टीम में बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हमारे पास रिंकू सिंह और यशस्व जायसवाल जैसे खिलाड़ी है। इस वीडियो में टीम के सभी खिलाड़ी काफी खुश नजर आ रहे हैं। सुपर-8 स्टेज में जाने से पहले टीम का माहौल जितना खुशनुमा होगा उतना ही टीम मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करती हुई नजर आती है। सुपर-8 में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के साथ अपना अहम मुकाबला खेलती हुई नजर आएगी।

सबसे ज्यादा ऑन-फील्ड अंपायरिंग करने वाले भारतीय अंपायर बने नितिन

हैदराबाद, एजेंसी

मौजूदा एलीट पैनल अंपायर सूची में भारत के एकमात्र अंपायर - नितिन मेनन ने इतिहास रच दिया है। वे ऑन-फील्ड अंपायर के तौर पर सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग करने वाले भारतीय अंपायर बन गए हैं। उन्होंने 11 जून को नॉर्थ साउंड में 2021 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और नामीबिया के बीच टी-20 विश्व कप 2024 के मुकाबले के दौरान यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की। मेनन ने मंगलवार को अपने 126वें अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग की और भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर और अनुभवी अंपायर श्रीनिवास वेंकट राघवन के 125 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग के 20 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मेनन ने अब तक ऑन-फील्ड अंपायर के रूप में 23 टेस्ट, 58 वनडे और 45 टी-20 (कुल मिलाकर 126 मैच) में ऑन फील्ड अंपायरिंग की है। उन्होंने 6 टेस्ट, 14 वनडे और 24 टी-20 (44 मैच) में टीवी अंपायर के रूप में भी काम किया है। वेंकटराघवन ने ऑन-फील्ड अंपायर के रूप में 73 टेस्ट और 52 वनडे (125 मैच) में अंपायरिंग की, जब टी-20 क्रिकेट तब अस्तित्व में भी नहीं था। उन्होंने 18 वनडे और एक टेस्ट में टीवी अंपायर के रूप में भी काम किया है, जबकि 8 वनडे और 5 टेस्ट में रेफरी के रूप में काम किया है।

भारत ने पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका को हराया

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका पर एक बड़ी जीत दर्ज की। बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 143 रनों के बड़े अंतर से हराया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की स्टार स्मृति मंधाना रहीं, जिन्होंने अपना छठा वनडे शतक जड़ा। वहीं, अपने डेब्यू मैच में लेग स्पिनर आशा शोभना ने भी 4 विकेट झटके। मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 50 ओवरों में 265 का स्कोर बनाया। भारत की ओर से टॉप स्कोरर सलामी बैटर स्मृति मंधाना रहीं, जिन्होंने 127 गेंद में 12 चौके और 1 छक्के की मदद से 117 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 37 रन और पूजा वस्त्राकार ने भी नाबाद 31 रनों का योगदान दिया। वहीं, 266 के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 37.4 ओवर में मात्र 122 के स्कोर पर सिमट गई। अफ्रीका के 7 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएं ओर सुने लुस ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। आशा शोभना ने 33 साल की उम्र में आज डेब्यू किया। और वो भारतीय महिला क्रिकेट टीम में डेब्यू करने सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बनी। अपने डेब्यू मैच में ही आशा छा गईं। उन्होंने 8.4 ओवर में मात्र 21 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने 2 मेडन ओवर भी डाले। शोभना की घातक गेंदबाजी की बदौलत ही भारत ने दक्षिण अफ्रीका को बुरी तरह से रौंद दिया। डब्ल्यूपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाली आशा शोभना ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाकेदार एंट्री मारी। भारत की बाएं हाथ की सलामी बैटर स्मृति मंधाना ने वनडे करियर का अपना छठा शतक जड़ा। इसके साथ ही वो दूसरी सबसे अधिक वनडे शतक जड़ने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत सिंह (5 वनडे शतक) को पीछा छोड़ा। मंधाना अब सिर्फ पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज से पीछे हैं, जिनके नाम 211 पारियों में 7 वनडे शतक दर्ज हैं।

इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराया बेलिंगहैम ने दागा शानदार गोल

गेल्सेनकिर्चेन, एजेंसी

इंग्लैंड ने अपने यूरो 2024 अभियान की शुरुआत सर्बिया के खिलाफ एरिना औफशाल्के में ग्रुप सी में 1-0 की जीत के साथ की है, जिस-ाका श्रेय जूड बेलिंगहैम के शुरुआती हेडर को जाता है। इंग्लैंड ने शानदार शुरुआत की और विरोधियों के खिलाफ शुरुआत में शानदार खेल दिखाया, जिन्होंने नियमित अंतराल पर सभी को गेंद के पीछे छोड़ दिया और 13 मिनट के भीतर सर्बिया की गेम प्लान को खत्म कर दिया गया। काइल वॉकर ने बुकायो साका को एक सटीक पास दिया, जिसका क्रॉस दाईं ओर से स्ट्रैहिन्जा पावलोविच से टकराया। गेंद आने वाले जूड बेलिंगहैम के लिए पूरी तरह से लूप हो गई, जिन्होंने प्रेड्रैग राजकोविच को हेड किया। सर्बिया ने तुरंत जवाब दिया क्योंकि एलेक्जेंडर मिट्रोविक ने वाइड फायर किया और डुसन व्लाहोविक ने एक शॉट को रोक दिया, लेकिन दूसरे छोर पर साका, जो पहले हाफ में खतरनाक थे, उन्होंने वॉकर को क्षेत्र में तूफान मचाने के लिए छोड़ दिया जो गोल के सामने एक क्रॉस-शॉट में समाप्त हुआ। बेलिंगहैम ने कहा कि पहला हाफ दिखाता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ गोल क्यों कर सकते हैं, और दूसरा हाफ दिखाता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ क्लीन शीट रख सकते हैं। हमें थोड़ा कष्ट उठाना पड़ा, लेकिन हमने क्लीन शीट रखी और जब आप ऐसा करते हैं, तो आपको गेम जीतने के लिए केवल एक गोल करने की आवश्यकता होती है। कुल मिलाकर, हम इस प्रदर्शन से खुश हैं। हालांकि इंग्लैंड नियंत्रण में दिख रहा था, सर्बिया ने यह दिखाने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया कि वे लगातार खतरा बना रहे हैं, और दूसरे हाफ की श-ुरूआत में स्थानापन्न फि लिप म्लादेनोविच व्लाहोविक के कम-ड्राइव वाले क्रॉस को अंतिम रूप देने के करीब थे। इंग्लैंड ने उसी तरह जवाब दिया, लेकिन ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड ने राजकोविच बेहतरीन खेल दिखाया। इसके बाद जॉर्डन पिकफोर्ड और कीरन ट्रिपियर के संयोजन ने मित्रोविक को बराबरी करने से रोक दिया।

कप्तान बाबर आजम ने मानी गलती टीम के प्रदर्शन पर जताई निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 से पाकिस्तान की टीम बाहर हो गई है। पाकिस्तान का सफर ग्रुप स्टेज के साथ ही खत्म हो गया है। पाकिस्तान को भारत और यूएसए के हाथों मिली हार का काफी मलाल है। ऐसे में टीम के कप्तान बाबर आजम ने आयरलैंड के खिलाफ मिली जीत के बाद बड़ा बयान दिया है। रविवार को आयरलैंड पर पाकिस्तान ने 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही पाकिस्तान की जीत के साथ टूर्नामेंट से विदाई हो चुकी है लेकिन कप्तान ने ग्रुप ए के पिछले मैचों में की गई गलतियों पर अफसोस जताया है। आयरलैंड के 107 रन के लक्ष्य को पाकिस्तान ने 7 विकेट खोकर 111 रन बनाते हुए जीत दर्ज कर ली है। इस मैच में बाबर ने 34 गेंदों पर 32 रन और अपनी टीम को अंतिम ग्रुज स्टेज के मैच में जीत दिलाई। इस मैच के बाद प्रेंजेशन सेरेमनी में बोलते हुए पाकिस्तान के कप्तान ने कहा कि मुझे लगता है कि गेंदबाजी के मामले में परिस्थितियां हमारे गेंदबाजों के अनुकूल थीं। लेकिन बल्लेबाजी में हमने अमेरिका और भारत के खिलाफ मैचों में कुछ गलतियां कीं। जब आप विकेट खो देते हैं, तो दबाव आप पर होता है। बाबर ने स्वीकार किया कि हम करीबी मैचों को खत्म नहीं कर पाए और भारत और यूएसए के खिलाफ एक टीम के रूप में हम अच्छे नहीं थे। हां, हमने आयरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया, हमने गेंद से शुरुआती विकेट लिए लेकिन बल्ले से हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। हमने लगातार दो विकेट गंवाए, लेकिन अंत में जीत हासिल की। कप्तान ने कहा कि हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं, हमें घर जाकर बातचीत करनी होगी और देखना होगा कि हमारी कमी कहां रह गई और फिर वापस आना होगा। हमने उस तरह का क्रिकेट नहीं खेला जिस-ाकी हमारे देश को जरूरत है। हमें कुछ क्षेत्रों में सुधार करना है। ये नतीजा काफी कठिन है। बाबर आजम ने कहा कि जब मैंने कप्तानी छोड़ी तो मुझे लगा कि मुझे अब कप्तान नहीं रहना चाहिए। जब पीसीबी ने इसे वापस कर दिया, तो यह उनका फैसला था। अब हमारे यहां जो हुआ, उस पर चर्चा हो रही है, अगर मैं फिर से कप्तानी छोड़ता हूं तो मैं सभी को सूचित करूंगा। फिलहाल मैंने इस बारे में नहीं सोचा है। बता दें कि मेन इन ग्रीन ने ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर रहते हुए भारत और यूएसए के खिलाफ अपने पहले दो मैच गंवाए और फिर कनाडा और आयरलैंड को हराया। हालांकि, बाबर खुश हैं कि उनकी टीम ने टूर्नामेंट का सकारात्मक अंत किया है।

अडाणी ग्रुप को मुद्रा पोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए मिली 45,000 करोड़ रुपये की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (अढरऐ) को 45,000 करोड़ रुपये के विस्तार की मंजूरी मिली है। मुंद्रा पोर्ट की क्षमता को दोगुना से अधिक करने के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यावरण और कोस्टल रेगुलेशन जोन की मंजूरी मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अढरऐ ने बंदरगाह पर क्षमता बढ़ाने की अनुमति के लिए पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एअउ) के समक्ष आवेदन किया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन स्वीकृतियों से कंपनी की क्षमता लगभग दोगुनी होकर 514 मिलियन टन हो जाएगी। यह विस्तार गुजरात सरकार के साथ मुंद्रा बंदरगाह के लिए रियायत अवधि के विस्तार पर बातचीत करते समय अढरऐ की स्थिति को मजबूत कर सकता है। यह अवधि 30 साल की अवधि के बाद 2031 में समाप्त होने वाली है। समिति की बैठक का हवाला देते हुए रिपोर्ट में दावा किया गया कि एअउ ने परियोजना प्रस्तावक (अढरऐ) द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच करने और 15 मई 2024 को आयोजित विस्तृत विचार-विमर्श के बाद पर्यावरण और उफेमंजूरी के लिए प्रस्ताव की सिफारिश की। यह तब हुआ जब अढरऐ ने वित्त वर्ष 24 में भारत के कुल कार्गो का लगभग 27 फीसदी और कंटेनर कार्गो का 44 फीसदी संभाला। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने पहले कहा था कि एपीएसईजेड 2025 में 500 एमएमटी कार्गो वॉल्यूम हासिल करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, जिसे हाल ही में अधिग्रहित गोपालपुर पोर्ट और चालू वर्ष में विझिंजम पोर्ट और अगले साल डब्ल्यूसीटी की निर्धारित कमीशनिंग से सहायता मिलेगी।

गौतम अडाणी ने भूटान के राजा और पीएम से की मुलाकात

ग्रीन हाइड्रो प्लांट के लिए हुई डील

मुंबई, एजेंसी

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मुलाकात की है। इस मुलाकात के साथ ही चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के लिए देश के ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के विजन के तहत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूटान के प्रयासों की प्रशंसा की। साथ ही गौतम अडानी ने देश में हाइड्रो और अन्य परियोजनाओं पर सहयोग करने की उत्सुकता व्यक्त की। एक्स पर पोस्ट कर गौतम अडाणी ने कहा कि भूटान के माननीय प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ बिल्कुल आकर्षक मुलाकात। चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के ग्रीन हाइड्रो प्लांट के लिए डीजीपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। महामहिम राजा के विजन को आगे बढ़ाते हुए और पूरे राज्य में व्यापक बुनियादी ढांचे की पहल को आगे बढ़ाते हुए @ पीएमभुटान को देखना सराहनीय है। भूटान में हाइड्रो और अन्य इन्फ्रा पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से भी मुलाकात की और कहा कि भूटान के लिए सम्राट का विजन प्रेरणादायक है। गौतम अडाणी ने एक्स पर लिखा कि भूटान के महामहिम राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भूटान के लिए उनके दृष्टिकोण और गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के लिए महत्वाकांक्षी पर्यावरण-अनुकूल मास्टरप्लान से प्रेरित हूं, जिसमें बड़े कंप्यूटिंग केंद्र और डेटा सुविधाएं शामिल हैं। कार्बन नकारात्मक राष्ट्र के लिए इन परिवर्तनकारी पहलों और ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं।

वर्ष -60, रजिस्ट्रेशन संख्या : WB HIN/ 00780 **अखबार के स्वामी :** के के एम पब्लिशर के लिए **मुद्रक एवं प्रकाशक** राजीव नयनम द्वारा प्रकाशित तथा एल.एस. पब्लिकेशन प्रा. लि. 4 केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित और के के एम पब्लिशर, 7 मैंगोलेन (प्रथम तल), कोलकाता-700001 से प्रकाशित.
संपादक - अशोक पांडेय*, फोन - 033-48032897, मेल - sutrakaar.news @gmail.com